CFM NEWS 24 x 7 COALFIELD MIRROR हर पल आपके साथ

कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

शुभ प्रभात JUPITER FOUNDATION

कोलकाता | सोमवार 15 जुलाई 2024 | वर्ष– 7 | अंक– 1087 | पृष्ठ– 6 | RNI (TA)- 2022027633

सुवेंदु अधिकारी का राजभवन के बाहर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (कोलकाता): कलकत्ता हाई कोर्ट की अनुमति के बाद बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने लोकसभा चुनाव के बाद राज्य में हुई हिंसा के पीड़ितों के साथ रविवार सुबह यहां राजभवन के बाहर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन शुरू किया। धरने में कई अन्य भाजपा नेता और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भी शामिल है। सभी भाजपा नेता अपने गले में चुनावी हिंसा की तस्वीरें भी लटकाए हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि राजभवन के बाहर धरने की अनुमति के लिए सुवेंदु ने पिछले दिनों कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। बाद में राज्य सरकार की सहमति पर अदालत ने उन्हें धरने की अनुमति दे दी थी। इससे पहले मनरेगा व अन्य केंद्रीय बकाया की मांग को लेकर तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने पिछले साल कई दिनों तक राजभवन के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ धरना दिया था।

बता दें कि पिछले महीने करीब 200 चुनावी हिंसा पीड़ितों को लेकर राजपाल से मिलने जा रहे भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी को कोलकाता पुलिस ने राजभवन में प्रवेश से रोक दिया था।

राज्यपाल डा सीवी आनंद बस ने भी उनकी अनुमति के बावजूद सुवेंदु व हिंसा पीड़ितों को राजभवन में प्रवेश से रोके जाने को लेकर गहरी नाराजगी जताई थी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर इस पर जवाब भी मांगा था। इस घटनाक्रम के बाद ही सुवेंदु ने अभिषेक बनर्जी के धरने को आधार बनाकर राजभवन के बाहर धरना देने की घोषणा की थी।

लोकसभा चुनाव में 50 लाख और उपचुनावों में 2 लाख हिंदुओं को वोट देने नहीं दिया गया

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (कोलकाता): पश्चिम बंगाल की 4 विधानसभा सीटों में हुए उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने जीत दर्ज की है। इसके पहले लोकसभा चुनाव में भी टीएमसी ने 29 सीटों पर जीत दर्ज की थी। राज्य में चुनाव के बाद हुई हिंसा पर पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने ममता सरकार पर निशाना साधा है।

सुवेंदु अधिकारि ने कहा, 'बंगाल में लोकतंत्र मर चुका है। हमने आज एक जन आंदोलन शुरू किया है। लोकसभा चुनाव में लगभग 50 लाख हिंदुओं को वोट नहीं देने दिया गया। राज्य में हुए 4 उपचुनावों में 2 लाख से अधिक हिंदुओं को वोट नहीं देने दिया गया। मैं एक पोर्टल लॉन्च कर रहा हूं। जिन्हें वोट देने की अनुमति नहीं दी गई, वे अपना पंजीकरण करा सकते हैं और पूरी गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। मैं कानूनी लड़ाई भी शुरू करूंगा।

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी और पार्टी कार्यकर्ताओं ने राज्य में कथित चुनाव बाद हुई झड़पों के खिलाफ रविवार को राजभवन के बाहर धरना दिया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और तपस रॉय, रुद्रनील घोष समेत 300 भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने बीजेपी को 14 जुलाई को सुबह 10 बजे से चार घंटे के लिए राजभवन के बाहर धरना देने की अनुमति दी थी। अधिकारी ने राजभवन के बाहर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति मांगते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया था। सुवेंदु अधिकारी ने कहा था कि तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने पिछले साल पांच अक्टूबर को इसी स्थान पर इसी तरह का विरोध प्रदर्शन किया था

भवानीपुर 75 पल्ली ने अपने ऐतिहासिक 60वें वर्ष में विभिन्न धार्मिक समुदाय के लोगों को साथ लेकर

"अंतरधार्मिक खूंटी पूजा" का आयोजन कर सांस्कृतिक एकता और सामुदायिक जुड़ाव की मिशाल पेश की

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (कोलकाता): सांस्कृतिक एकता और सामुदायिक जुड़ाव के लिए प्रसिद्ध भवानीपुर 75 पल्ली दुर्गोत्सव कमेटी ने रविवार को अनोखे तरीके से समाज में अंतरधार्मिक हस्तियों के साथ खुटी पूजा का भव्य आयोजन कर एक नए इतिहास की रचना की। इस वर्ष इस क्लब की दुर्गा पूजा 60वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। इस अभूतपूर्व आयोजन में विभिन्न धर्मों से ताल्लुक रखनेवाले लोग अपने धार्मिक एकता और आपसी सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक साथ एकजुट हुए।

इसमें जैन धर्म से कैलाश जैन, सिख धर्म से तरसीम सिंह, पारसी धर्म से जिम्मी टेंगरी, हिंदू धर्म से देवाकर चैतन्य, रामकृष्ण मिशन की ओर से स्वामी परमानंद महाराज, चाइनीज बुधिष्ट, मिस लूसी, क्रिश्चियन समुदाय से फादर मार्टिन, बहाई समुदाय से पल्लब गुहा, सिंधी समुदाय से मुराली पंजाबी और इस्लाम धर्म से इमरान जाकी मौजूद थे।

इस भव्य आयोजन में शामिल होनेवाले विभिन्न प्रतिष्ठित हस्तियों में श्रीमती माला रॉय (संसद सदस्य), देबाशीष कुमार (विधायक), असीम बसु (पार्षद), श्रीमती चंद्रेयी मित्रा (रोटरी क्लब ऑफ कलकत्ता अव्याना की अध्यक्ष), सनातन डिंडा (कलाकार) और शिव शंकर दास (कलाकार) के साथ कई अन्य प्रतिष्ठित हस्ती इसमें शामिल हुए।

भवानीपुर 75 पल्ली क्लब सचिव श्री सुबीर दास ने इस आयोजन को सफल बनाने से जुड़े लोगों के प्रति गहरा आभार

और उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, अपने 60वें वर्ष में हम अंतरधार्मिक खुटी पूजा की शुरुआत करते हुए काफी रोमांचित हैं। यह आयोजन सांस्कृतिक विविधता के माध्यम से एकता को बढ़ावा देने के लिए हमारे समर्पण का उदाहरण है। यह आयोजन न केवल हमारी सांस्कृतिक परंपराओं की मिशाल पेश करता है, बल्कि हर समुदाय के लोगों के साथ हमारे बंधन को भी मजबूत करता है।

नेताजी भवन मेट्रो स्टेशन के पास, 1/1सी, देबेंद्र घोष रोड, भवानीपुर में आयोजित इस "अंतरधार्मिक खुटी पूजा" का समायोजन और सांस्कृतिक विविधता भवानीपुर 75 पल्ली की प्रतिबद्धता का प्रमाण था।

विभिन्न धर्म से जुड़े लोगों के साथ समाज की कई प्रतिष्ठित हस्तियां इस आयोजन में शामिल हुए और विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच सामंजस्यपूर्ण एकता और भाईचारे के महत्व को रेखांकित किया।

भवानीपुर 75 पल्ली दुर्गापूजा के आयोजन को हर वर्ष पूजा समारोहों के अपने अभिनव दृष्टिकोण के लिए लंबे समय से सराहा जाता रहा है, जिसमें अद्वितीय पंडाल की डिजाइन और कलात्मक प्रयास इसमें शामिल हैं। जो हर साल आगंतुकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

भवानीपुर 75 पल्ली अपने सांस्कृतिक महत्व से परे हटकर दुर्गा पूजा के दौरान एकत्र किए गए दान के माध्यम से वर्ष भर अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाना जारी रखता है। इनमें स्वास्थ्य सेवा, शैक्षिक सहायता और पूरे वर्ष वंचित परिवारों के लिए सहायता से जुड़े आयोजन शामिल है।

कोल इंडिया ने कोयले की जीएसटी क्षमता निर्माण पर मैराथन परीक्षण का आयोजन किया

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (पांडवेश्वर): कोल इंडिया ने कोलकाता स्थित अपने कॉर्पोरेट कार्यालय में "कोयले के जीएसटी" पर क्षमता निर्माण पर मैराथन प्रशिक्षण का आयोजन किया.

इस अवसर पर बोलते हुए कोल इंडिया के मुख्य सतर्कता अधिकारी ब्रजेश त्रिपाठी ने कहा कि नियमों और विनियमों के बारे में जागरूक होना और उनका पूरी लगन से पालन करना सभी की जिम्मेदारी है,

अपने संबोधन के दौरान उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह कोल इंडिया सरकारी खजाने में योगदान देकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है,

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अतिथि वक्ता वी.के. बांका ने "कोयले के जीएसटी" विषय पर बात की, जबकि कोल इंडिया के वित्त निदेशक एस.के. मेहता ने "शेयरधारकों की संपत्ति का अधिकतम उपयोग" विषय पर बात किया. इस सत्र में कोल इंडिया के वरिष्ठ प्रबंधन और वित्त विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया.

पथश्री परियोजना के तहत घटिया सामग्री से हो रहा कंक्रीट सड़को का निर्माण

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (बाँकुड़ा): नवनिर्मित पथश्री परियोजना की पक्की सड़क पिच दबाव में आ रही है। बांकुड़ा जिले में एक के बाद एक सड़कों के मामले में ऐसी घटनाओं के बाद पथश्री परियोजना में नवनिर्मित कंक्रीट सड़कों के मामले में भी यह घटना घटी. ऐसी घटनाएं सामने आने के बाद बांकुरा के छतना ब्लॉक के शिउलीपहाड़ी गांव के स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया. सड़क के तत्काल निर्माण की मांग को लेकर क्षेत्र के लोगों ने आज सड़क पर पेड़ों की शाखाएं फेंककर सड़क को अवरुद्ध कर दिया।

बांकुड़ा में खरबोना चौराहे से चकताताल तक 2 किमी से कुछ अधिक सड़क को कंक्रीट करने के लिए पथश्री परियोजना के तहत 86 लाख 5 हजार 234 रुपये आवंटित किए गए हैं। सड़क का काम इसी साल फरवरी में शुरू हुआ था. हाल ही में अनुबंधित कंपनी ने शिउलीपहाड़ी गांव के पास सड़क के एक हिस्से पर कंक्रीट डालने का काम किया है. सड़क बनने के बाद शिउलीपहाड़ी गांव के लोगों ने देखा कि गांव के पास सड़क के 400 मीटर हिस्से पर हाथ के दबाव से कंक्रीट टूट रही है. ग्रामीणों का दावा है कि सड़क निर्माण में बेहद घटिया सामग्री के इस्तेमाल के कारण यह समस्या हो रही है. कुछ ग्रामीणों की शिकायत थी कि सड़क प्राक्कलन के अनुरूप नहीं बनी है और अधिकांश हिस्से में उक्त ठेकेदार ने बलुआ पत्थर की जगह सीमेंट के साथ मोरम मिलाकर सड़क बनायी है. स्थानीय निवासियों ने तत्काल घटिया सामग्री से बनी सड़क के 400 मीटर हिस्से को तोड़कर उचित गुणवत्ता वाली सामग्री से नई सड़क बनाने की मांग की. स्थानीय लोगों ने अपनी मांगों को सामने रखते हुए आज सुबह से ही सड़क पर पेड़ गिराकर सड़क जाम करना शुरू कर दिया. शिउलीपहाड़ी गांव के लोगों ने शीघ्र मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है. जाम की खबर सुनते ही स्थानीय घोषेरग्राम पंचायत के मुखिया ने पंचायत के इंजीनियर को शिउलीपहाड़ी गांव जाकर नवनिर्मित सड़क की स्थिति की जांच करने के लिए बुलाया. पंचायत प्रधान के राहत सड़क निर्माण के बाद ऐसी स्थिति क्यों बनी इसकी जांच कर संबंधित ठेकेदार के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संत्रास के मुद्दे पर टीएमसी पर बरसे सुवेंदु

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (खड़गपुर/ कांथी): भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने राज्य में व्याप्त कथित संत्रास के मुद्दे पर टीएमसी और राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राज्य सरकार पर तुष्टिकरण नीति को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। रविवार को भारतीय जनता पार्टी कांथी संगठनात्मक जिला की ओर से कांथी स्थित नांदनिक क्लब मैदान में भाजपा उम्मीदवार सौमेन्दु अधिकारी को भारी मतों से विजय बनाने के लिए अभिनंदन ज्ञापन सभा का आयोजन किया गया था।

इस सभा में सुवेंदु अधिकारी सहित कांथी लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद सौमेंदु अधिकारी, प्रदेश उपाध्यक्ष उमेश राय, कांथी संगठनात्मक जिले के अध्यक्ष और दक्षिण कांथी विधानसभा के विधायक अरूप कुमार दास तथा महासचिव चन्द्रशेखर मंडल, वरिष्ठ नेता अमलेन्दु पहाड़ी, सोमनाथ राय, जिला महासचिव व खेजुरी विधानसभा विधायक शांतनु प्रमाणिक, भगवानपुर विधानसभा विधायक रवीन्द्रनाथ माईती, उत्तर कांथी विधानसभा विधायक सुमिता सिन्हा, जिला महासचिव मानसी पाडुवा के साथ जिला अध्यक्ष पद के पदाधिकारी एवं पार्टी के सभी स्तरों के पदाधिकारी, नेतृत्व एवं पार्टी समर्थक शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यदि संत्रास ना होता तो चुनाव परिणाम कुछ और होते।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री से एसईसीएल सीएमडी ने मुलाकात की

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (पांडवेश्वर): कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी एसईसीएल के सीएमडी डॉ. प्रेमसागर मिश्रा ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भोपाल में भेट की. सीएमडी ने मुख्यमंत्री को मध्यप्रदेश के कोयलांचल के सर्वोमुखी विकास में एसईसीएल की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा की एसईसीएल परिवार सतत आपके मार्गदर्शन और सहयोग का आकांक्षी है,मुलाकात के दौरान सीएमडी ने मुख्यमंत्री को राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में मध्यप्रदेश की कोयला खदानों द्वारा दिए जा रहे योगदान के बारे में बताया, सीएमडी डॉ मिश्रा ने

एसईसीएल के सीएसआर स्कीम के तहत डिडोरी जिले में 1200 छात्रों के लिए स्कूल भवन 12वी कक्षा तक ,100,100 सीटर बालक, बालिका छात्रावास का निर्माण कार्य के साथ उमरिया जिले में सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लास लगाया गया है और एसईसीएल अपनी सीएसआर की राशि से क्षेत्र के बच्चे को आधुनिक तकनीक युक्त शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रहा है, सीएमडी ने एसईसीएल की सुश्रुत योजना के बारे में मुख्यमंत्री को बताते हुए कहा की इस योजना के तहत कोयलांचल के होनहार विद्यार्थीयो को नीट की निशुल्क आवासीय कोचिंग प्रदान कर रहा है और डॉक्टर बन को सपने को साकार कर रहा है, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने एसईसीएल सीएमडी डॉ प्रेमसागर मिश्रा को कंपनी द्वारा की जा रही कार्यों का सराहना किया.और कोयला खनन क्षेत्र में राज्य शासन की ओर से हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया, सीएमडी ने मुख्यमंत्री को एक धार्मिक पुस्तक भी भेट किये,

कोयला एव खान राज्यमंत्री का बनारस में हुआ अभिनंदन समारोह

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (पांडवेश्वर): कोयला और खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे को बनारस में केंद्रीय ब्रह्मण महासभा द्वारा आयोजित अभिनन्दन समारोह में अभिनंदन किया गया, कोयला और खान राज्यमंत्री मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने अभिनंदन समारोह सम्मिलित होकर उपस्थित सभा को संबंधित कर सभी का आभार प्रकट किया और कहा कि जिस उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री ने मुझ पर अपना भरोसा जताते हुए मंत्री बनाया है, उस भरोसा पर खरा उतरते हुए उनका भरोसा को पूरा करूगा, मालूम हो की बिहार के चंपारण के रहने वाले राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र दुबे को कोयला और खान का राज्यमंत्री बनाया गया है.

5 लाख नकली नोट के साथ एक गिरफ्तार

दलजीत सिंह

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (रानीगंज): दुर्गापुर में नकली नोट की तस्करी करते हुए एक व्यक्ति को रंगे हाथ पकड़ा गया. गिरफ्तार व्यक्ति का नाम फिरोज आलम शेख है. उसका घर मालदा जिले में है.

गिरफ्तार व्यक्ति को आज दोपहर करीब 1 बजे महकमा अदालत में पेश किया गया. कांकसा थाने के

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आज सुबह कांकसा के बिरुडीहा के पास एक व्यक्ति बैग लेकर खड़ा था.

सूत्रों से सूचना मिलने पर राज्य पुलिस की एसटीएफ की टीम ने उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया और उसके बैग की तलाशी ली और उसके पास से 500 रुपए की कई गड्डियों में करीब 5 लाख रुपए बरामद किए.

उस शख्स को गिरफ्तार कर कांकसा थाने की पुलिस को सौंप दिया गया. पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि नकली नोट के धंधे में कोई और भी शामिल है या नहीं बांग्लादेश से लाए गए थे नोट गिरफ्तार शख्स इनकी तस्करी करने निकला था.

स्व. निहार रंजन दत्त एवं स्व. शिवदास ठाकुर मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मैच का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (बर्नपुर): शनिवार की संध्या बर्नपुर यूनाइटेड क्लब के प्रबंधन में "38वें स्वर्गीय निहार रंजन दत्त एवं स्वर्गीय शिवदास ठाकुर मेमोरियल इंटर स्कूल नॉक-आउट फुटबॉल टूर्नामेंट 2024" का फाइनल मैच बार्नपुर स्टेडियम में आयोजित किया गया। क्लब के फुटबॉल सचिव सुब्रत पाल ने हमारे संवाददाता को बताया कि यह टूर्नामेंट 05-07-2024 से शुरू हुआ था, प्रारंभिक चरण में इस टूर्नामेंट में कुल 8 स्कूलों की फुटबॉल टीमों ने भाग लिया था, फाइनल मैच शांतिनगर विद्यामंदिर (एच.एस.) और हीरापुर मानिक चंद ठाकुर इन्स्टिट्यूट (एच.एस.) के बीच में हुआ।

फाइनल मैच में बर्नपुर सेल इस्को इस्पात सयंत्र के कार्यपालक निदेशक (एमएम) तथा बर्नपुर यूनाइटेड क्लब के अध्यक्ष अभिक दे ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, इस्को इस्पात सयंत्र के प्रभारी कार्यपालक निदेशक (एचआर) उमेंद्र पाल सिंह सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक (बीई) एमई शम्सी, मुख्य महाप्रबंधक (मैकेनिकल) विनीत राउल, मुख्य महाप्रबंधक (टीएस और सीएसआर) विनोद कुमार, प्रख्यात व्यवसायी और समाजसेवी पीके ठाकुर, शुभोदीप ठाकुर, इस्को इस्पात सयंत्र कि श्रमिक संघ के प्रतिनिधि मंडल ओर आसनसोल नगर निगम अंतर्गत वार्ड नंबर 78 के पार्षद अशोक रुद्र भी उपस्थित थे । सभी ने ऐसे टूर्नामेंट के आयोजन के लिए बर्नपुर यूनाइटेड क्लब के पदाधिकारियों की सराहना की और बधाई दी।

क्लब के अध्यक्ष अभिक दे ने टूर्नामेंट के फाइनल मैच का 'किक ऑफ' की। फाइनल मैच में दोनों टीमों ने निर्धारित समय में एक-एक गोल किया, जिससे मैच टाई-ब्रेकर हो गया, परिणाम हीरापुर माणिक चंद ठाकुर इन्स्टिट्यूट ने पिछली बार के विजेता शांतिनगर विद्यामंदिर को 5-4 से हराया ।

अभिक दे ने विजेता टीम हीरापुर माणिक चंद ठाकुर इन्स्टिट्यूट को एक खूबसूरत ट्रॉफी और नकद सात हाजार रुपये पुरस्कार दिया। उपविजेता टीम शांतिनगर विद्यामंदिर को भी सुंदर ट्रॉफी और पांच हजार रुपये नकद दिये गये । साथ ही दोनों टीमों के प्रत्येक खिलाड़ी एवं रेफरीगण को क्लब की ओर से उपहार दिया गया।

क्लब के महासचिव देवर्षि राय ने हमारे संवाद प्रतिनिधि को बताया कि पिछले दिनों बर्नपुर स्टेडियम में शाम के खेल खासकर फुटबॉल मैच संभव नहीं था लाइट कि अभाव के कारण। गत 15-06-2024 को सेल के बर्नपुर और दुर्गापुर इस्पात सयंत्र के निदेशक प्रभारी बृजेंद्र प्रताप सिंह ने बर्नपुर स्टेडियम में फ्लड लाइट का आधिकारिक उद्घाटन कि। बर्नपुर यूनाइटेड क्लब के प्रयास और सेल इस्को इस्पात सयंत्र की मदद से बर्नपुर स्टेडियम में कुल आठ फ्लडलाइट स्तंभों का निर्माण किया गया है। इन सभी खंभों पर सेल इस्को इस्पात सयंत्र के सिटी सर्विसेज डिपार्टमेंट द्वारा अत्याधुनिक एलईडी लैंपसेट लगाए गए हैं। औद्योगिक क्षेत्र के खेल प्रेमियों के लंबे समय से चले आ रहे अनुरोध का सम्मान करते हुए बर्नपुर यूनाइटेड क्लब के उपाध्यक्ष और सिंटर प्लांट विभाग के हाल ही में सेवानिवृत्त मुख्य महाप्रबंधक अनूप कुमार घोष के एकमात्र प्रयासों से इस फ्लडलाइट की स्थापना संभव हो सकी। इस सीज़न में बर्नपुर स्टेडियम में पहली बार फ्लड लाइट में फुटबॉल मैच आयोजित किया गया। बहुत दिनों के बाद फाइनल मैच देखने स्टेडियम में खेल प्रेमियों की अच्छी खासी भीड़ रही। मैच के अंत में क्लब सचिव ने टूर्नामेंट कमेटी के सदस्यों, क्लब के सभी सदस्यों, स्टेडियम में मौजूद दर्शकों और सेल इस्को इस्पात सयंत्र कि प्रबंधन को धन्यवाद दिया।

ईसीएल के वेस्ट केंदा ओसीपी से निकल रही आग की लपटे तथा धुआं

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (जामुड़िया): न्यू केंदा कोलियरी के तीन नंबर कहार पाड़ा के पास स्तिथ बंद पड़े वेस्ट केंदा ओसीपी से आग की लपटे तथा धुआं निकलने से स्थानीय लोगो में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोगो में अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता हो रही है।

मालूम हो की परितक्त वेस्ट केंदा ओसीपी में सालो से आग लगा हुआ है, जिसे ईसीएल द्वारा छाई भराई कर ढका रखा गया है। वही बारिश होने के कारण सभी मुहाने खुल गए है, जिसके कारण आग की लपटे तथा धुआं निकलने लगा है।

धूवा में मिथेन गैस होने की वजह से लोगो को सांस लेने में परेशानी हो रही है।

स्थानीय निवासी इंद्रदेव राम ने कहा कि आग व धुवां निकलने से सभी लोग दहशत में है। वही धूंआ निकलने से लोगो को घुटन जैसा लग रहा है। इसके अलावा जमीनों पर दरार पड़ गई है, जिससे भू धंसान का खतरा बना हुआ है। आग की लपटे धीरे धीरे बढ़ रहा है, जिसके लिए ईसीएल प्रबंधन को कोई ठोस पहल करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, वेस्ट केंदा ओसीपी बंद होने के बाद से ही क्षेत्र में आग लगा हुआ है, जिसे बुझाने के लिए ईसीएल प्रबंधन कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

दुर्गापुर महकमा अस्पताल में ट्रॉमा केयर सेंटर का उद्घाटन मंत्री और सांसद ने किया

दलजीत सिंह

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (रानीगंज): दुर्गापुर महकमा अस्पताल में ट्रॉमा केयर सेंटर खोला गया है. इस अत्याधुनिक ट्रॉमा केयर सेंटर को बनाने में 68 लाख रुपये खर्च हुए हैं. अब से, जो सेवा दुर्गापुर के विभिन्न निजी अस्पतालों में उपलब्ध थी, वह अब दुर्गापुर महकमा अस्पताल में भी उपलब्ध होगी। राज्य के पंचायत मंत्री प्रदीप मजूमदार ने रविवार को एक समारोह में इस ट्रॉमा केयर सेंटर का उद्घाटन किया. इस कार्यक्रम में अन्य लोगों के अलावा दुर्गापुर बर्दवान के सांसद कीर्ति आजाद, आसनसोल दुर्गापुर विकास परिषद या अड्डा और दुर्गापुर जिला अस्पताल रोगी कल्याण संघ के अध्यक्ष कबी दत्ता और सुपर डॉ. धीमान मंडल उपस्थित थे, उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पताल सभी का है। उस अस्पताल में विकास कार्य चल रहा है. इस अस्पताल से लोगों को आवश्यक चिकित्सा सेवाएँ मिल सकें इसकी व्यवस्था की जा रही है। मंत्री का दावा है कि यह ट्रॉमा सेंटर सभी के लिए उपयोगी होगा. रोगी कल्याण संघ के अध्यक्ष कबी दत्ता ने कहा कि इस अस्पताल में चिकित्सा सेवाओं के लिए सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं.

अस्पताल अधीक्षक धीमान मंडल ने कहा, पहले यहां इलाज होता था. लेकिन अब इस ट्रॉमा केयर सेंटर को एक अलग कमरे में शिफ्ट कर दिया गया है. उन्होंने कहा कि अब सभी सेवाएं इसी अनुमंडल अस्पताल से मिलेंगी.

तेज और सुरक्षित सेवाओं के लिए आसनसोल मंडल आधुनिक पीक्यूआरएस प्रणाली द्वारा पटरियों को बदल रहा है

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (आसनसोल): पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक चेतना नंद सिंह ने कालीपहाड़ी स्टेशन पर प्लासर क्विक रिलेइंग सिस्टम (पीक्यूआरएस) का निरीक्षण किया। निरीक्षण में कुशल ट्रैक नवीनीकरण के महत्व और रेलवे संरक्षा और दक्षता बनाए रखने में पीक्यूआरएस की भूमिका पर जोर दिया गया।

आसनसोल मंडल ने दक्षता और संरक्षा बढ़ाने के लिए ट्रैक रिलेइंग के लिए पीक्यूआरएस (प्लासर क्विक रिलेइंग सिस्टम) नामक एक आधुनिक प्रणाली लागू की है। इस प्रणाली में पुराने ट्रैक पैनल को हटाने और नए ट्रैक पैनल को लगाने के लिए विशेष उपकरणों का उपयोग करना शामिल है, जिससे ट्रैक रखरखाव के लिए आवश्यक समय में काफी कमी आती है।

पोर्टल क्रेन का उपयोग करके, प्रक्रिया तेज और अधिक व्यवस्थित हो जाती है। यह विधि न केवल पटरियों की गुणवत्ता में सुधार करती है बल्कि सुरक्षित और सुचारू ट्रेन संचालन भी सुनिश्चित करती है। पीक्यूआरएस की शुरूआत यात्रियों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए आसनसोल मंडल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

निरीक्षण के दौरान, डीआरएम श्री सिंह ने फील्ड स्टाफ की उनके समर्पण के लिए सराहना की और ट्रैक संरक्षा और समय की पाबंदी सुनिश्चित करने के लिए परिचालन उत्कृष्टता की दिशा में निरंतर प्रयास करने का आश्वासन दिया।

साफ़ सफाई के आभाव में ईसीएल श्रमिक आवासों में स्तिथ नालियां गन्दगी से हुई जाम

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (जामुड़िया): ईसीएल केंदा एरिया अंतर्गत न्यू केंदा कोलियरी के ईस्ट केंदा श्रमिक आवासों में स्तिथ नालियों की साफ सफाई नहीं होने से नालियां गन्दगी से अटी पड़ी है तथा बजबजा रही है। ऐसे में बारिश होने से श्रमिक आवासों में बरसात होने पर नाली का गंदा पानी घुसने की पूर्ण संभावना है। वही काफी अर्से से नाली की सफाई नहीं किए जाने से नाली पूरी तरह से जाम पड़ा हुआ है जिसके कारण चारो ओर गंदगी फैल रही है। गंदगी की वजह से मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। नालियों में पॉलीथिन सहित गंदगी भरा हुआ है जिसकी वजह से काफी बदबू उत्पन्न होता है तथा लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। ईस्ट केंदा ईसीएल आवासों में सैकड़ों श्रमिक रहते है लेकिन उनकी इस समस्या को लेकर ईसीएल प्रबंधन का कोई ध्यान नहीं है।

एक ओर जहां ईसीएल द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का पालन करते हुए लाखो रूपए खर्च किए जाते है। वही न्यू केंदा कोलियरी के ईस्ट केंदा श्रमिक आवासों में रह रहे कर्मी नरकीय जीवन यापन करने को मजबूर है। साफ सफाई के प्रति ईसीएल प्रबंधन पूरी तरह से उदासीन है। गंदगी के कारण नाली का हाल ऐसे नरकीय बना हुआ है की इसके कारण लोगों को बीमारियां चपेट लेगी। वही बारिश होने पर नाली का गंदा पानी सभी के घरों में घुसेगा जो सभी के लिए परेशानी का सबब बनेगा।

संकटमोचन दुखहरण शिव मंदिर में धार्मिक समारोह

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (रानीगंज): जय माता दी स्पोर्टिंग क्लब द्वारा आस्था का केंद्र पुराना हनुमान मंदिर जिसका नव निर्मित निर्माण किया गया है। आस्था का केंद्र इस मंदिर में शिव परिवार, राम दरबार, मां सरस्वती एवं बालाजी महाराज एक साथ विराजमान है जहां लोग पूरी आस्था से इस मंदिर में पूजा अर्चना करने आते हैं। सावन महीने में इस मंदिर में प्रतिदिन हजारों भक्त आते हैं।

पहली सोमवारी को दामोदर नदी से जल लाकर गाजे बाजे के साथ इस मंदिर में जल अर्पण किया जाएगा। मंदिर के भक्त प्रदीप साव ने बताया कि इस मंदिर का नाम संकट मोचन दुख हरण शिव मंदिर दिया गया है। लोगों की आस्था दिन प्रतिदिन इस मंदिर के प्रति बढ़ती जा रही है। इस मौके पर आज के धार्मिक कार्यक्रम में पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया।

मन्दिर के भक्त अनिल अग्रवाल, शैलेश चंद्र ठाकुर, आशीष केशरी, सुनील बर्मन, जय साव, सूरज साव, कौशिक भदानी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

राधाराणी मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव धूमधाम समाप्त

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (रानीगंज): मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत रानीगंज शहर के श्री श्री सीताराम जी मंदिर में राधाराणी मूर्ति की प्रतिष्ठा का तीन दिवसीय उत्सव आयोजित किया गया है। इस महोत्सव का आगाज़ शनिवार को हरिनाम संकीर्तन के साथ हुआ, जिसमें स्थानीय नागरिकों ने उत्साह से भाग लिया। उत्सव के दूसरे दिन रविवार को, बर्नपुर श्री बालाजी धाम के संतोष भाई जी के सानिध्य में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। तीसरे और अंतिम दिन, सोमवार को, राधाराणी विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में श्री राधाराणी को पालकी में बैठाकर रानीगंज शहर का भ्रमण कराया गया। इस महोत्सव के दौरान भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया गया। मंदिर कमेटी के सदस्य अभिषेक बगाड़िया ने इस अवसर पर विग्रह प्राण प्रतिष्ठा के सफलता की बधाई दी। उन्होंने बताया कि राधाराणी मूर्ति को प्राण प्रतिष्ठा करने का उद्देश्य उन्होंने मंदिर की भक्ति और समाज के धार्मिक आधार को मजबूती से बढ़ाना है। यह उत्सव मंदिर के प्रति लोगों की आस्था और समर्थन को दर्शाता है और समाज में धार्मिक एवं सामाजिक एकता को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम साबित होता है।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (कांकसा): ऑल बंगाल तृणमूल टोल प्लाजा, कॉन्ट्रेक्टर वर्कर्स यूनियन ने रविवार को कांकसा बंशकोपा टोल प्लाजा के सामने स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन तृणमूल श्रमिक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रीताब्रत बनर्जी ने किया. संगठन के जिला अध्यक्ष अभिजीत घटक, राज्य पंचायत एवं ग्राम विकास विभाग और सहकारिता विभाग के मंत्री और दुर्गापुर पूर्व विधायक प्रदीप मजूमदार, बर्दवान दुर्गापुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद कीर्ति आजाद और जिला एवं ब्लॉक नेतृत्व भी उपस्थित थे.

टोल प्लाजा वर्कर्स यूनियन के महासचिव पुलक विश्वास ने कहा कि पिछले साल मई में बास्कोपा टोल प्लाजा के सामने उनके संगठन और पार्टी कार्यालय का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया था. चूंकि उस महीने लोकसभा चुनाव हुए थे, इसलिए उन्होंने उस दिन के बजाय आज एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया, और उनके निर्देशों के बारे में तृणमूल श्रमिक संगठन के राज्य अध्यक्ष के संदेश को सुनने के लिए रक्तदान शिविर के बगल में एक बैठक आयोजित की गई। आने वाले दिनों में। इस दिन रक्तदान शिविर में 30 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया.

तृणमूल श्रमिक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि अगले एक जुलाई को राज्य की सभी सड़कें शहीद सभा मंच के सामने आयेंगी. बंगाल और पूरे देश की जनता एक जुलाई को सुप्रीमो के संदेश का इंतजार कर रही है. लोकसभा चुनाव में बीजेपी के 400 पार की बात का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में किसी भी पार्टी के नेता ने क्या कहा, यह कोई बड़ी बात नहीं है. मायने यह रखता है कि लोग क्या कहते हैं और लोग क्या सोचते हैं।

पुलिस ने डकैती मामले में पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (रानीगंज): डकैती के मामलों में रानीगंज क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाया गया है, जब पुलिस ने एक बड़ी डकैती गिरोह को गिरफ्तार किया। इस गिरोह में पांच अपराधी शामिल हैं, जिनमें रानीगंज के महाबीर कोलियरी फुटबॉल ग्राउंड से मोहम्मद फईम (32), उसी इलाके के मोहम्मद मोहसिम (28), और रानीगंज के ईदगाह महल्ले से कलीम साह (35) शामिल हैं। इनके साथ दो अन्य अपराधी भी हैं, जिनकी पहचान अभी तक सामने नहीं आई है। 17 जून को रानीगंज में हुई एक डकैती की घटना के बाद, पुलिस ने इन अपराधियों के पीछे पड़ा और उन्हें राजाबांध इमाम बाड़ा के पास जंगल से गिरफ्तार किया। पुलिस ने इस समय तक यह सूचना प्राप्त की थी कि इन अपराधियों ने डकैती के उद्देश्य से इकट्ठा होने की योजना बनाई थी। तुरंत कार्रवाई में सफल रहकर, पुलिस ने सोमवार को दिन निकलने से पहले इन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने डकैती की योजना बनाने और संगठित करने के आरोप में शिकायत दर्ज की है। पिछले मामलों में भी ये गिरोह लूट की घटनाओं में शामिल रहे हैं। पुलिस ने स्थानीय लोगों से भी बदमाशों के खिलाफ सतर्क रहने का आग्रह किया है और इन घटनाओं की जांच जारी है।इस मामले में पुलिस की विशेष टीमों ने सफलतापूर्वक कार्रवाई की है और गिरफ्तारियों को अदालत में पेश कर दिया गया है। इस समय जारी कानूनी प्रक्रिया के बाद इन अपराधियों के खिलाफ अदालत में याचिका दर्ज की गई है।

ऑपरेशन के बाद नरेन लौटे तो एयरपोर्ट पर उनके स्वागत के लिए भीड़ उमड़ पड़ी

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (दुर्गापुर): पश्चिम बर्धमान जिला तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष नरेंद्रनाथ चक्रवर्ती दिल का ऑपरेशन कराकर रविवार को बेंगलुरु से घर लौट आये. 28 जून को नरेन चक्रवर्ती दिल के ऑपरेशन के लिए बेंगलुरु गए थे, उस वक्त पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जिला अध्यक्ष के स्वास्थ्य की कामना के लिए जिले के विभिन्न स्थानों पर पूजा, आराधना, विशेष यज्ञ और प्रार्थना का आयोजन किया था. 1 जुलाई को बेंगलुरु के एक अस्पताल में नरेन चक्रवर्ती की सफल ओपन हार्ट सर्जरी हुई. रविवार को नरेन चक्रवर्ती बेंगलुरु से अंडाल एयरपोर्ट पर एक बजे उतरे. उनके साथ उनकी पत्नी अनुभा चक्रवर्ती, जिला परिषद के कार्यकारी अधिकारी और कई अन्य लोग भी थे। सुबह से ही हवाई अड्डा परिसर में जिला अध्यक्ष के स्वागत के लिए हजारों की संख्या में तृणमूल कार्यकर्ता समर्थक व अनुयायी मौजूद थे. वहां राज्य मंत्री प्रदीप मजूमदार, तृणमूल नेता पंकज रॉय सरकार, सुभाष मंडल दल की महिला शाखा की जिला अध्यक्ष असीमा चक्रवर्ती और अन्य थे।एयरपोर्ट के मुख्य द्वार के बाहर लोगों की भारी भीड़ जमा होने के कारण नरेन चक्रवर्ती को दूसरे रास्ते से एयरपोर्ट से बाहर ले जाया गया. वहां से वह सड़क मार्ग से पांडवेश्वर स्थित सुभाष कॉलोनी स्थित आवास पर लौटे। घर लौटने के दौरान अंडाल मोड़, दक्षिणखंड, खंडारा, शंकरपुर मोड़ पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका स्वागत किया. नरेन चक्रवर्ती कहते हैं, मैं जीवन के कई अध्यायों से गुजर चुका हूं। यह एक अलग अनुभव है. मैं इस बात से प्रभावित हूं कि इन कुछ दिनों में टीम में हर कोई मेरे साथ कैसे खड़ा रहा। हर किसी का प्यार कभी नहीं भूलता. कुछ दिनों के आराम के बाद मैं टीम का काम शुरू करूंगा, ऐसा नरेन चक्रवर्ती ने कहा था.

आज का राशिफल

15 जुलाई 2024
सोमवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन खुशियों भरा रहेगा। शुभ समाचार मिलते रहेंगे। एकाधिक स्त्रोतों से आय प्राप्त होगे। लंबे समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। किसी से बेवजह वाद-विवाद में ना पड़े। पुराने मित्र से मुलाकात होगी।

वृषभ
दिन बेहतर रहेगा। नये लोगों से मेलजोल बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। बेरोजगारों को बेहतर अवसर मिल सकता है। अपने मन की बात बाहरी व्यक्ति से साझा करने से बचें। जीवनसाथी से सम्बन्ध मजबूत होंगे।

मिथुन
दिन शानदार रहेगा। कारोबार में तेजी आयेगी। करियर की समस्या दूर होगी। कार्यक्षेत्र में सावधानी बरतें। अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। बहस बाजी में न पड़े। संपत्ति मामले में आपको जीत मिलेगी।

कर्क
दिन उत्तम रहेगा। प्रभाव और प्रताप में वृद्धि होगी। आवश्यक कार्यो में जल्दबाजी ना करें। स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज ना करें। कार्यवश यात्रा पर जाना पड़ सकता है। पुराना लेनदेन समस्या बन सकता है।

सिंह
दिन अच्छा रहेगा। व्यवसाय अच्छा चलेगा। महत्वपूर्ण कार्य को गति मिलेगी। दांपत्य जीवन सुखमय होगा। लक्ष्य को केन्द्रित कर चलना बेहतर रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा।

कन्या
दिन सकारात्मक रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके बीच रिश्ता और मजबूत होगा। नौकरी में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। किसी बाहरी व्यक्ति के मामले में हस्तक्षेप ना करें। धार्मिक कार्यों में भी आपकी पूरी रुचि अधिक रहेगी। ।

तुला
दिन मिलाजुला रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। प्रतिस्पर्धा में पूरे रुचि दिखाएंगे। कला और कौशल में सुधार होगा। कानूनी मामले में पूरी सावधानी बरतें। बाहरी व्यक्ति की सलाह न माने।

वृश्चिक
दिन बढ़िया रहेगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचे। संस्कारों और परंपराओं पर पूरा फोकस बनाए रखेंगे। बड़ों के साथ आदर व सम्मान बनाए रखें। घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखे।

धनु
दिन अच्छा रहेगा। शुभ और मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। कुछ नए लोगों के आप भरोसा आसानी से जीत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में टीम वर्क के जरिए काम करके काम को समय से पूरा करेंगे।

मकर
दिन आनंदमय रहेगा। नये लोगों से मेलजोल बढायेगे। अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी। घर में माहौल खुशनुमा रहेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। उधार न दे।

कुंभ
दिन बढ़िया रहेगा। कार्यक्षेत्र में चल रही कुछ समस्या दूर होगी। नौकरी से संबंधित परीक्षा में सफलता हासिल करने में कामयाब रहेंगे। महत्वपूर्ण प्रयास फलीभूत होंगे। कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है।

मीन
दिन अच्छा रहेगा। मान सम्मान में वृद्धि होगी। कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है। आवश्यक कार्य को प्राथमिकता दें। कानूनी मामले में सावधान रहना होगा। आय व व्यय को देखकर आप एक बजट बनाए।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना संग सोनिया गांधी से मुलाकात की

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (धनबाद): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को देश की राजधानी दिल्ली में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। सोनिया गांधी से इस मुलाकात के दौरान हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं। इस मुलाकात की तस्वीर भी सामने आई है। सोनिया गांधी से मुलाकात करने के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि जेल से बाहर आने के बाद सोनिया गांधी के साथ हमारी मुलाकात नहीं हुई थी। इसलिए मैं उनसे मिलने आया हूं। आपको बता दें कि हेमंत सोरेन को ईडी ने जमीन घोटाला मामले में 31 जनवरी को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उन्होंने ईडी की हिरासत में रात साढ़े आठ बजे राजभवन पहुंचकर सीएम पद से इस्तीफा दिया था। 1 फरवरी को उन्हें न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल भेजा गया था। बाद में, झारखंड हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद 28 जून को उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया था। उसके बाद उन्होंने फिर से सीएम पद की शपथ ली।

दूसरी तरफ अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शनिवार को दावा किया कि भाजपा और उसकी केंद्र सरकार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जिंदगी से खेल रही है, जिनका वजन जेल में रहने के दौरान 8.5 किलोग्राम कम हो गया है और रक्त में शर्करा का स्तर 50 मिलीग्राम/डीएल से नीचे पांच बार जा चुका है। सिंह के दावों पर भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सिंह ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''उनकी स्वास्थ्य स्थिति ऐसी है कि अगर उन्हें जल्द जेल से बाहर नहीं लाया गया और इलाज नहीं किया गया तो उनके साथ कोई भी गंभीर घटना घट सकती है।

उन्होंने कहा कि जब 21 मार्च को प्रवर्तन निदेशालय ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया था, तब उनका वजन 70 किलोग्राम था, जो कम होकर 61.5 किलोग्राम रह गया है। सिंह ने दावा किया कि उनका वजन लगातार घटने का कारण अज्ञात है, क्योंकि कोई जांच नहीं हुई है। सिंह ने कहा कि वजन घटना किसी गंभीर बीमारी का संकेत है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का परिवार, 'आप' और उनके शुभचिंतक जेल में उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चिंतित हैं।

सिंह ने आरोप लगाया, "भाजपा और केंद्र की उसकी सरकार का मकसद उन्हें जेल में रखना और उनके जीवन से खेलना है। वे साजिश रच रहे हैं ताकि उन्हें कुछ गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़े।" उच्चतम न्यायायल ने ईडी द्वारा दर्ज मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री को शुक्रवार को अंतरिम जमानत दे दी थी। हालांकि, आबकारी नीति घोटाला मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए जाने के कारण वह अभी भी जेल में हैं।

इंडी गठबंधन भ्रम और झूठ फैलाता है- शिवराज सिंह चौहान

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (धनबाद): रांची/ केंद्रीय कृषि मंत्री और भाजपा के राज्य चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को राजधानी रांची में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके झारखंड की हेमंत सरकार को घेरा। उन्होंने राज्य की गठबंधन सरकार पर आरोप लगाया कि उन्होंने सभी वर्गों को ठगा है। भाजपा इनकी पोल खोलेगी। शिवराज सिंह चौहान ने कहा, "इंडी गठबंधन भ्रम और झूठ फैलाता है। झारखंड की धरती पर जेएमएम और कांग्रेस की गठबंधन सरकार का 5 साल पूरा होने वाला है। लेकिन, इन सालों में इनकी कोई उपलब्धियां नहीं रहीं। कांग्रेस और जेएमएम ने चुनाव से पहले घोषणा पत्र और निश्चय पत्र निकाला था। निश्चय पत्र में 144 बातें थी और कांग्रेस के घोषणा पत्र में 317 वायदे थे। लेकिन, इसमें से इन्होंने पूरा क्या किया?

शिवराज सिंह चौहान ने कहा, "कांग्रेस और जेएमएम झूठ बोलने की मशीनें बन गई हैं, रोज झूठ बोलते हैं कि कम सीट लेकर भी हमने तीर मार लिया। झारखंड में भी ऐसा ही हुआ है। अगर हम लोकसभा के नतीजों को विधानसभा में बदल दें तो हम 81 में से 52 सीटों पर आ गए हैं।

झारखंड के विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी पार्टी के घोषणा पत्र में किए वायदों पर घेरते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इन लोगों ने इसमें से पूरा क्या किया? इन्होंने सरकारी नियुक्तियां नहीं की, महिला बैंक की स्थापना करने की बात कही गई थी, वो नहीं हुई। 5,000 और 7,000 रुपए बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही गई थी, उसे भी पूरा नहीं किया।

उन्होंने आगे कहा कि गठबंधन सरकार के पांच साल पूरे हो रहे हैं, लेकिन उनके वादे पूरे नहीं हो रहे। मैं उनके निश्चय पत्र से ही सवाल पूछ रहा हूं कि 50,000 का लोन कितनी महिलाओं को मिला?

किसानों के लिए बैंक की स्थापना का क्या हुआ? महिलाओं के लिए भाजपा द्वारा लाई गई एक रुपए में रजिस्ट्री की योजना को भी इन्होंने बंद कर दिया। शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा, "तराजू से तौलकर बालू बिक रहा है। खनन नहीं पर्यटन का नारा दिया गया, लेकिन आज सिर्फ खनन हो रहा है। अब भाजपा राज्य की जनता के सामने इनकी पोल खोलेगी।

सीएफएम संक्षिप्त

हाथियों के झुंड ने रातभर जमकर उत्पात मचाया

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (धनबाद): बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के झिलुवा, चिकनिया व पारघो गांव में शुक्रवार को 25-30 की संख्या में आये हाथियों के झुंड ने रातभर जमकर उत्पात मचाया. हाथी ने चार घर ढाह दिये और लोगों के घरों में अनाज चट कर गये. झुंड सबसे पहले झिलुवा गांव पहुंचा. यहां बुधनी देवी, सूजन किस्कू व मुनिया देवी के ईंट-मिट्टी के खपड़ैल घर को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया. साथ ही बुधनी देवी, रतिलाल टुडू, छुटुलाल सोरेन, मालती देवी, सूजन किस्कू, मुनिया देवी, कालाचंद किस्कू, हीरामुनी देवी, अनिल बेसरा के घरों में रखे धान, चावल, गेहूं, दाल व राशन का सभी सामान खा गये. घर रखे बर्तन व कीमती सामान तोड़ दिया. इसके बाद हाथियों का दल नया प्राथमिक विद्यालय झिलुवा पहुंचा. यहां स्कूल की खिड़की व दरवाजा तोड़कर स्कूल में रखे 60 किलो मध्याह्न भोजन का चावल खा गये. इसके बाद झुंड चिकनिया गांव पहुंचा. यहां शिखर किस्कू, सीताराम किस्कू, दिनेश किस्कू, रतिलाल किस्कू, नरेश किस्कू के घर में रखे चावल, धान, दाल, सब्जी समेत अन्य सामान खा गये और बर्तनों को तोड़ दिया.

कैरम एसोसिएशन की एजीएम सह रेफरी सेमिनार का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (धनबाद): पूर्वी सिंहभूम जिला कैरम एसोसिएशन की एजीएम सह रेफरी सेमिनार का आयोजन रविवार को बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में किया गया. बैठक में कैरम को बढ़ावा देने के लिए शहर के स्कूलों में अभियान चलाने का फैसला लिया गया. वहीं, जिला स्तरीय टूर्नामेंट का भी आयोजन होगा. रेफरी सेमिनार में शहर के रेफरियों को खेल के नये नियम और नियम में हुए बदलाव से रू-ब-रू कराया गया. रेफरी सेमिनार में इंस्ट्रक्टर की भूमिका अशफाक अहमद और डीपी वाल्मीकि ने निभायी. बैठक में सेक्रेटरी डी गोपी राव जॉइंट सेक्रेटरी रे अरुण कुमार कुंदन कुमार चंद्रा, प्रदीप मुखर्जी, इकबाल सिंह, के वेणुगोपाल राव, सुरजीत सिंह, मुरली, मोहम्मद वसीम, मनोज पांडे, सुचिंद्र सिंह, रणजीत सिंह, गोविंद मुखी और उद्यन नायर, अमोल दोबराज और अन्य लोग मौजूद थे.

त्योहार शांति और सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाएं

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (धनबाद): गांधीनगर थाना और तेनुघाट ओपी परिसर में शनिवार को मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक हुई. गांधीनगर थाना में हुई बैठक में बीडीओ मुकेश कुमार ने कहा की त्योहार शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाना है. ऐसा कार्य नहीं करें, जिससे दूसरे की भावना को ठेस न पहुंचे. अफवाह पर ध्यान नहीं दें. कहीं कोई घटना हो तो तत्काल पुलिस एवं प्रशासन को सूचित करें. थाना प्रभारी पिंटू महथा ने कहा कि असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी. जिप सदस्य टीनू सिंह ने कहा कि ट्रांसपोर्टिंग के दौरान सुबह और शाम दो-दो घंटे नो इंट्री लगायी जाये. हाइवा ट्रकों की गति सीमा सीमित करने को लेकर जगह-जगह बैरिकेडिंग लगायी जाये. इस पर बीडीओ ने कहा कि आवेदन दें, इसे एसडीएम को अग्रसारित किया जायेगा. तेनुघाट ओपी में बैठक की अध्यक्षता पेटरवार सीओ अशोक कुमार राम, बीडीओ गोमिया महादेव महतो व ओपी प्रभारी अजीत कुमार ने की. तय रूट चार्ट के अनुसार ही मुहर्रम जुलूस निकालने की बात कही गयी. कहा गया कि रूट में आने वाले सभी मंदिर के पास विशेष निगरानी रखने की आवश्यकता है.

मेधावी विद्यार्थी प्रोत्साहन समारोह का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (निरसा): वाणी मंदिर क्लब कालीमंडा तथा शिवलीबाड़ी मध्य पंचायत के सौजन्य से मेधावी विद्यार्थी प्रोत्साहन समारोह का आयोजन विगत वर्ष की भांति रविवार की शाम की गई। इस सम्मान समारोह में शिवली बाड़ी मध्य पंचायत के दसवीं एवं इंटर में बेहतर रिजल्ट करने वाले 28 मेधावी छात्र-छात्राओं व धनबाद जिला अंदर-19 क्रिकेट टीम को चैंपियन बनाने वाली कुमार धुबी की पांच होनहार महिला खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। सम्मान पाकर मेधावी विद्यार्थी व महिला खिलाड़ियों में काफी उत्साह देखा गया। कहा कि सम्मान से जीवन में बड़ा बदलाव आएगा, साथ ही संघर्ष की प्रेरणा भी मिली।

उनके साथ शिवलीबाड़ी एगारकुंड में कार्य करने वाले पांच बिजली कर्मचारी को भी उत्कृष्ट कार्य के लिए रेनकोट देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ दीपक कुमार सेन सहित अन्य अतिथियों के स्वागत के बाद कार्यक्रम की शुरुआत हम होंगे कामयाब एक दिन गायन के साथ हुआ।

इस भव्य आयोजन में अभिजीत घोष, बापी बनर्जी, विश्वनाथ दास, संजीव मजूमदार, स्वपन गुहा ठाकुरता, मुखिया अनामिका देवी, समाजसेवी दोयल घोष, डॉक्टर स्मृति कोना, रीता कुमारी, पूर्वी सरकार, टी के सिंह, संजय यादव, अशोक यादव, प्रभाकर विश्वकर्मा, मुन्ना यादव, संजीत कुमार, प्रभात कुमार, राकेश शर्मा आदि की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही।

बहुप्रतीक्षित देवी मंदिर की छत ढलाई, मुखिया पति और समाजसेवी अभिजीत घोष ने किया शुभारंभ

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (निरसा): शिवलीबाड़ी मध्य पंचायत स्थित मुंडाधौड़ा पंचायत भवन के निकट बहुप्रतीक्षित देवी मंदिर के छत ढलाई का शुभारंभ शिवलीबाड़ी मध्य पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि श्री संजय यादव, क्षेत्र के समाजसेवी तथा झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के आजीवन सदस्य अभिजीत घोष ने संयुक्त रूप से किया। स्थानीय मुंडाधौडा निवासियों की बहुप्रतीक्षित यह देवी मंदिर का निर्माण पंचायत की मुखिया श्रीमती अनामिका देवी तथा मुखिया पति श्री संजय यादव के अगुवाई में स्थानीय विशिष्ट जनों के सहायता से किया जा रहा है। पूजा– अर्चना के पश्चात अतिथियों द्वारा नारियल फोड़ कर ढलाई कार्य का शुभारंभ किया गया।

शुभारंभ के दौरान श्री संजय यादव ने बताया कि स्थानीय निवासियों की बहुत पुरानी यह मांग थी। उक्त स्थल पर एक भव्य मंदिर का निर्माण किया जाएगा तथा नवरात्रि के दौरान इस मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम किया जाएगा। मंदिर का निर्माण होने से स्थानीय महिलाओं को सुविधा होगी।

मौके पर उप मुखिया प्रतिनिधि प्रभाकर कुमार, वार्ड पार्षद सुमित्रा देवी, अशोक यादव, संजीत यादव, विक्की पासवान, सत्येंद्र यादव, धर्मेंद्र कुमार, राहुल कुमार, रविंद्र गुप्ता, पम पम, मुन्ना यादव, मनीष दुबे, दुर्गा साव सहित काफी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

सिविल कोर्ट में साईबर क्राईम पर जागरूकता कार्यशाला

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (धनबाद): प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा के निर्देश पर डालसा द्वारा सिविल कोर्ट धनबाद में साइबर क्राइम उसके प्रकार, रोकथाम और बचाव के उपाय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में साइबर सेल के प्रशिक्षित अधिकारी गौरव कुमार एवं जगरनाथ पंडित साईबर एक्सपर्ट ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पैनल अधिवक्ता, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के अधिवक्ताओं को कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी।

साईबर एक्सपर्ट गौरव कुमार ने कहा कि यदि हम जागरूक रहें, लालच में न आएं और डरने की बजाय सावधानियां बरतें तो साइबर अपराधी न तो ठग सकेंगे और न ही निजता को प्रभावित कर पाएंगे।उन्होंने कहा कि बैंक वाले पासवर्ड या फिर खाते से संबंधित गोपनीय जानकारी नहीं पूछते हैं। विद्युत निगम के कर्मचारी अचानक रात में कनेक्शन नहीं काटते हैं। बिना डाले लॉटरी नहीं निकलती है और बेवजह पैसा आपके खाते में नहीं आ सकता है। सरकार का आपके खाते पर स्ट्रांग लॉक लगा है। साइबर क्राइम को कैसे रोकें? इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करते समय साइबर अपराध के प्रकारों और रोकथाम के बारे में जागरूक होना उपयोगकर्ताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिसके पास व्यक्ति, संगठन या सरकार के वेब खातों तक पहुंच है, उसे संदिग्ध गतिविधियों से सावधान रहना चाहिए। साइबर अपराध को रोकने और अपनी व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए अपने ऑपरेटिंग सिस्टम को अपडेट रखें। अपडेटेड सॉफ्टवेयर्स/ एप्लीकेशन्स का इस्तेमाल करें। इंटरनेट एक्सेस के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरणों पर हमेशा एंटीवायरस का उपयोग करें और उन्हें अपडेट रखें। केवल वैध वेबसाइटों तक पहुँचने के लिए वेब ब्राउज़िंग रेलिंग सेट करें। मजबूत पासवर्ड का प्रयोग करें और उन्हें बदलते रहें। अलग-अलग प्लेटफॉर्म के लिए कभी भी एक ही पासवर्ड का इस्तेमाल न करें। स्पैम ईमेल में अटैचमेंट/ यूआरएल खोलने से बचें।

ऐसे लिंक न खोलें जिनका सोर्स अज्ञात हो ।संदिग्ध संदेश/ ईमेल के मामले में सीधे स्रोत से संपर्क करें।बैंक खाते की शेष राशि और गतिविधियों से अवगत रहें।जब कोई व्यक्ति दुर्भावनापूर्ण तरीके से इंटरनेट पर आपसे संपर्क करता है, तो बिना देर किए साइबर अपराध की शिकायत दर्ज करें। साईबर एक्सपर्ट जगरनाथ पंडित ने कहा कि जब कोई साइबर अपराधी सोशल मीडिया अकाउंट, ओटीपी, पिन कोड, व्यक्तिगत चित्र या वीडियो जैसी व्यक्तिगत जानकारी अपने पास इक्कठ्ठा कर लेता है तो आप सामाजिक या आर्थिक रूप से असुरक्षित हो जाते हैं।कार्यशाला के विषय में जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राकेश रोशन ने कहा कि इंटरनेट की दुनिया अब साइबर अपराधियों के कारण सुरक्षित नहीं है। भले ही इंटरनेट लोगों के जीवन में बड़े बदलाव लाए हो लेकिन अब उतना ही खतरनाक साबित हो गया है। हर साइबर अपराधी लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। आपकी लापरवाही और अनदेखी ही साइबर अपराधियों को मौका देती है। आज इसी अपराध जुड़ी हर जानकारी दी गई ताकि अधिवक्ता व लोग किसी भी साइबर क्राइम का शिकार ना हो।

डीवीसी श्रमिक यूनियन की केंद्रीय कमेटी की बैठक

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (धनबाद): डीवीसी गेस्ट हाउस चंद्रपुरा में डीवीसी श्रमिक यूनियन की केंद्रीय कमेटी की बैठक हुई. अध्यक्षता पूर्व जेनरल सेक्रेटरी जीवन आइच ने की. बैठक में कोडरमा, रघुनाथपुर, मेजिया, दुर्गापुर स्टील थर्मल पावर प्लांट, मैथन, पंचेत, हजारीबाग, चंद्रपुरा, कोलकाता के 50 से अधिक केंद्रीय कमेटी सदस्य शमिल हुए. कर्मचारियों पर प्रबंधन द्वारा थोपे जा रहे निर्णयों पर रोष जताया गया. स्मार्ट मीटर, परक्यूसिट, ट्रांसफर सहित जर्जर क्वार्टर के मुद्दे उठाये गये. कर्मियों पर बढ़ रहे काम के दबाव को लेकर भी चर्चा की गयी. होने वाले यूनियन चुनाव पर चर्चा करते हुए कहा गया कि संयुक्त मोर्चा की बैठक में इस पर निर्णय लिया जायेगा. कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर आंदोलन तेज करने का फैसला लिया गया. जनरल सेक्रेटरी अभिजीत राय ने कहा कि कर्मियों की मांगों पर प्रबंधन के साथ यूनियन का सेटलमेंट हुआ था. इसे मजदूरों का अहित चाहने वाली यूनियन के दबाव पर प्रबंधन लागू नहीं कर रहा है. हमारी यूनियन के मान्यता को समाप्त करने का काम किया जा रहा है, जबकि नियम है कि जब तक नया चुनाव नहीं हो जाता है, जीती हुई यूनियन की मान्यता बरकरार रहनी चाहिए. बैठक में राजीव तिवारी, निशित मुखर्जी, सुरजीत दास शर्मा, अजय कुमार, सुमन गोस्वामी, बृजकिशोर सिंह, प्रकाश चंद्र मेहता, हीरा लाल, दुर्गापुर अंडाल से सनामय विश्वास, सुबोध पासवान आदि थे.

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL–713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

जनता ने फैसला दिया, सब को उसको सम्मान करना चाहिए- सुनील आम्बेकर

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (रांची): लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि बीजेपी को संघ की जरूरत नहीं है। नड्डा के इस बयान पर पहली बार संघ की प्रतिक्रिया सामने आई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर ने कहा है कि संघ लोकमत परिष्कार का काम करता है। सीधे चुनाव के कार्य में नहीं लगता है। वो कार्य इस बार भी संघ ने किया है।

झारखंड के रांची में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक की बैठक में 12 से 14 तारीख तक पूरे देश से संघ के अखिल भारतीय प्रचारक पहुंचे थे। यहां संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद थे। रविवार को बैठक समापन के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय प्रचारक प्रमुख सुनील आंबेकर ने लोकसभा चुनाव पर कहा कि जनता ने अपना फैसला दिया है सब को उसको सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ मणिपुर मे जमीन पर कार्य कर रहा है। वहां गलत तरीके से धर्मांतरण नहीं हो, इस पर संघ ध्यान दे रहा है।

भारतीय जनता पार्टी की सीट 240 पर अटक गई इस प्रश्न का उत्तर देते हुए सुनील आंबेकर ने कहा कि उन्हें लगता है कि लोकतंत्र में जनता सबसे ऊपर होती है। सभी राजनीतिक दल चुनाव में अपनी बात लोगों के पास ले जाते हैं और लोग उन बातों के आधार पर अपने निर्णय देते हैं। जनता ने अपना फैसला दिया है, सबको उसका सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा "समाज में कुछ लोग धर्मांतरण का प्रयास करते रहते हैं और समय-समय पर गलत पद्धतियों का भी उपयोग करते हैं। मुझे लगता है कानून में ऐसी बातों पर पाबंदी भी है, सभी को उसका पालन करना चाहिए। संघ तो इस बारे में बिल्कुल यह ध्यान में रखता है कि ऐसा कोई भी जबरदस्ती का या लालच देकर या किसी गलत तरीके से कोई मतांतरण नहीं होना चाहिए। इस पर संघ का हमेशा आग्रिणी रहता है और आगे भी रहेगा।

जनसंख्या को लेकर उन्होंने कहा कि इसके पहले भी पूरे देश भर में जनसंख्या असंतुलन के बारे में बात की है और यह महत्वपूर्ण प्रश्न है। इसके बारे में पूरे समाज को चिंता करनी चाहिए और इसके बारे में जो तथ्य हैं वह समाज के सामने आपके माध्यम से जाएं यह अच्छा है। संघ जमीन पर काम कर रहा है, इसके संदर्भ में जो भी करने योग्य होगा उसके लिए आगे बढ़ रहा है। मणिपुर पर उन्होंने कहा "आरएसएस तो मणिपुर में लगातार जमीन पर काम कर रहा है। जहां-जहां संघ के कार्यकर्ता है, संघ लोग लगातार लोगों की सहायता करने का प्रयास कर रहे हैं।"

सुनील आंबेकर ने कहा "आपातकाल जो था ,जो 1975 में लगाया गया, वह निश्चित रूप से गलत था और लोकतंत्र में उन्हें लगता है कि हम लोग एक स्वाधीनता की, स्वतंत्रता की बात करते हैं, तो ऐसी बातें नहीं होनी चाहिए। संघ ने समय पर इमरजेंसी के बारे में अपना विरोध भी दर्शाया है और संघ ने संघर्ष भी किया था। कई कार्यकर्ता जेल में गए थे। बहुत सारे कार्यकर्ताओं को प्रताड़ना झेलनी पड़ी। बहुत सारा संघर्ष हुआ और पुनः देश में लोकतंत्र की स्थापना हुई। कुछ लोग हैं, जो दो प्रकार की बातें करते हैं। कुछ लोग बहुत कट्टर हैं और जो कट्टरवादी ताकत हमारे देश में भी है दुनिया भर में है। उनके विचार बहुत ही विपरीत हैं, वह पूरी मानवता के खिलाफ हैं और दूसरे वो लोग हैं कि जो देश में ओछी राजनीति करते हैं। मुझे लगता है हमारा देश आगे बढ़ रहा है, बहुत प्रगति की राह पर जा रहा है और संघ का विचार है कि इस देश में सभी के पूर्वज हैं, वह इसी देश के हैं और व्यापक रूप से सभी का इतिहास भी मिला-जुला है।"

फर्जी कागजात के आधार पर कफ सिरप को अवैध तरीके से बाजार में भेजा जाता है

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (धनबाद): बरवाअड्डा थाना क्षेत्र स्थित एक गोदाम से बरामद 24560 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप युवकों को नशे के लिए बेचा जाना था. इस बात का खुलासा सीआइडी डीआइजी ने केस के अनुसंधान में आये तथ्यों के आधार पर तैयार अपनी रिपोर्ट में किया है. धनबाद में जब्त कफ सिरप के बिल में सैली ट्रेडर्स का उल्लेख है. गुजरात के मोरबी में जब्त कफ सिरप की बोतल में भी सैली ट्रेडर्स को आपूर्ति किये गये बैच नंबर की श्रृंखला की कड़ी प्रतीत होती है. बिल में वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर और आजमगढ़ की दवा दुकानों का उल्लेख है. इसलिए यह संदिग्ध प्रतीत होता है. कई बिल में शहर के नाम का उल्लेख नहीं है. अब तक के अनुसंधान से यह स्पष्ट है कि सुपर स्टाकिस्ट लाइसेंस के नाम पर रांची के तुपुदाना स्थित सैली ट्रेडर्स के नाम पर कफ सिरप को फर्जी कागजात के आधार पर अवैध तरीके से बाजार में भेजा जाता है, ताकि किशोर एवं युवा बिना चिकित्सक के पर्ची की दुकान से इसे खरीदकर नशे के रूप में सेवन कर सकें.

सिरप का प्रयोग नशे के लिए इसलिए किया जाता है, क्योंकि हेरोइन, अफीम और चरस की तुलना में यह अधिक सस्ता है और आसानी से उपलब्ध हो जाता है. सीआइडी ने अबतक के अनुसंधान में शुभम जायसवाल एवं मोरबी गुजरात के भोला प्रसाद को कफ सिरप के अवैध धंधे के गिरोह का मुख्य सरगना बताया है. केस में उमेश कुमार का सत्यापन किया जा रहा है, जबकि उपेंद्र सिंह की संलिप्तता पायी गयी है. जिस ट्रक से गोदाम में कफ सिरप पहुंचाया गया था. उस ट्रक का नंबर दोपहिया वाहन के नाम पर निबंधित मिला है.

गुजरात पुलिस ने कुछ माह पूर्व 30 हजार बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किया था. साथ ही ट्रक चालक भी गिरफ्तार किया गया था. इसी को साथ लेकर गुजरात पुलिस धनबाद के बरवड्डा थाना क्षेत्र स्थित एक गोदाम में छापेमारी करने आयी थी. जहां से उक्त कफ सिरप मिले थे. बरवाअड्डा थाना की पुलिस ने 15 मार्च को एक केस दर्ज किया था. इसका वर्तमान में अनुसंधान सीआइडी कर रही है.

झारखंड साहित्य अकादमी स्थापना संघर्ष समिति की ओर से अलंकरण समारोह का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (धनबाद): रांची/ रविवार को प्रेस क्लब में झारखंड साहित्य अकादमी स्थापना संघर्ष समिति की ओर से अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया. अनिता रश्मि को बिनोद बिहारी स्मृति सम्मान, जबकि वीरेंद्र कुमार महतो को गिरिधारी राम गौंझू स्मृति सम्मान दिया गया.

इनके अलावा अन्य साहित्यकार भी सम्मानित किए गए. कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार शंभु बादल ने की. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कथाकार राकेश कुमार सिंह उपस्थित थे. हिंदी समेत अन्य झारखंडी भाषाओं में योगदान के लिए साहित्यकारों को सम्मानित किया गया. अनिता रश्मि को बिनोद बिहारी स्मृति सम्मान, विनय सौरभ को भारत यायावर स्मृति सम्मान, कॉलेश्वर को राधाकृष्ण स्मृति सम्मान, अनिल किशोर सहाय को कॉमरेड महेंद्र प्रसाद सिंह स्मृति सम्मान, मुकुंद रविदास को रघुनाथ महतो स्मृति सम्मान, वीरेंद्र कुमार महतो को गिरिधारी राम गौंझू स्मृति सम्मान, महादेव डंगरीयाल को सृष्टिधर महतो स्मृति सम्मान, आलोका कुजूर को सुशीला सामद स्मृति सम्मान और सुकुमार को श्रीनिवास पानुरी स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया.

रांची में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत विशिष्ट अतिथियों एवं पुरस्कृत होने वाले साहित्यकारों को पुष्पगुच्छ एवं शॉल देकर की गयी. समिति के सचिव नीरज नीर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए समिति के उद्देश्य और संघर्ष पर प्रकाश डाला. समिति के अध्यक्ष शिरोमणि महतो ने आयोजन में शामिल होने वाले साहित्यप्रेमियों एवं साहित्यकारों का स्वागत किया और समिति द्वारा किए गए प्रयासों एवं सरकार द्वारा उठाए गए सकारात्मक कदमों की जानकारी दी. गिरिडीह के साहित्यकार नेतालाल यादव का काव्य संग्रह 'दलदल से उठा आदमी', बेरमो के इम्तियाज गदर का कहानी संग्रह 'प्लाज्मा' सुकुमार का खोरठा काव्य संग्रह 'नावा डहर,' बोकारो की सुजाता कुमारी का काव्य संग्रह 'पोखर का पानी', धनबाद के डॉ मुकुंद रविदास का खोरठा काव्य संग्रह 'कोयला आर माटी' का लोकार्पण किया गया. इसके बाद साहित्यकारों को मोमेंटो और शॉल देकर सम्मानित किया गया. पुरस्कृत होने वाले साहित्यकारों ने अपने अनुभव साझा किए.

नशे का विकराल तथा खतरनाक वैश्विक स्वरूप

शारीरिक आर्थिक रूप से मानवीय जर्जरता

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई 2024: हर तरह के एक सूखे और अन्य नशे से न सिर्फ शारीरिक, मानसिक, सामाजिक संरचना कमजोर होती है, बल्कि परिवार, समाज और देश के आर्थिक तंत्र पर बड़ी चोट लगती है। वैश्विक स्तर पर यह माना जाता है कि विश्व का हर चौथा युवा नशे की गिरफ्त में है और उसकी सांसे नशे के नियंत्रण में ही हैं। भारत युवा शक्ति का देश है और भारत को नशे की गिरफ्त से बचाकर एक ऊर्जावान युवा शक्ति का बड़ा केंद्र बनाना ही हमारी सार्थकता होगी। विश्वव्यापी नशे की व्यापकता को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने 7 दिसंबर 1987 को एक प्रस्ताव पारित कर हर वर्ष 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा व मादक पदार्थ निषेध दिवस मनाने का निर्णय लिया था। ये एक तरफ लोगों को नशे के प्रति चेतना फैलाता है ।वहीं दूसरी तरफ नशे की गिरफ्त में आए लोगों के उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी उठाता है।

मादक पदार्थों की नशे की लत आज के युवाओं में तेजी से फैल रही है। कई बार फैशन की खातिर दोस्तों के कहने पर लिए गए यह मादक पदार्थ अक्सर युवाओं के लिए जानलेवा साबित होते हैं। युवा तो युवा बच्चे भी फेविकोल,तरल इरेज़र, पेट्रोल की गंध और स्वाद के प्रति आकर्षित होते हैं, और कई बार कम उम्र के बच्चे आयोडेक्स, वोलीनी जैसी दवाओं को सूघकर नशे का आनंद लेते हैं। कुछ मामलों में आयोडेक्स को ब्रेड में लगाकर खाने का नशा भी बच्चों में देखा गया है। और मजाक मजाक में जिज्ञासा बस कोरेक्स, कोडन, अल्प्राजोलम, कैनेबिस जैसी दवाओं को पीकर नशे में झूमते हैं। यह नशीली दवाएं कब बच्चों को तथा गरीब युवाओं को अपने घेरे में ले लेती है पता ही नहीं चलता। तंबाकू, सिगरेट, गांजा, कोकीन, चरस, स्मैक, भांग जैसी नशीली वस्तुओं का आज युवा वर्ग लगातार सेवन कर अपनी जिंदगी से खेलने में लगा हुआ है। पहले इन लोगों को मादक पदार्थों की मुफ्त में लग लगाकर सबको इसका आदी बनाया जाता है,और फिर ऐसी नशे की लत में युवा तथा बच्चे चोरी, डकैती,पॉकेट मारी, घर के पैसे, रुपए, जेवरात चुराने की हरकतें करने लगते हैं,जो न सिर्फ कानूनी अपराध है बल्कि समाज की बहुत बड़ी विसंगति भी है। कई बार बच्चे घर के ही बड़े सदस्यों को देखकर यह नशा करने लगते हैं कि जब बड़े कर रहे हैं तो उन्हें भी यह करने में कोई बुराई नजर नहीं आती है। और फिर इनके द्वारा शुरू होता है असामाजिक कार्यों का सिलसिला धीरे-धीरे युवा नशे की लत में अपराध जगत की ओर बढ़ने लगता है। चिकित्सकीय आधार पर देखा जाए तो हीरोइन चरस कोकीन गांजा जैसे मादक पदार्थों के नशे की गिरफ्त में आकर अपना मानसिक संतुलन खो देते हैं, एवं पागल तथा सुसुप्ता अवस्था में चले जाते हैं, नशे की लत शरीर को सुस्त कर म्रत्यु की ओर ले जाती है। और नशे की लत में मानसिक संतुलन खोकर व्यक्ति बड़े-बड़े अपराध तक कर बैठता है।, नशे की लत का मामला न सिर्फ स्वास्थ्य से जुड़ा होकर बल्कि अपराध जगत से भी जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि जीवन अनमोल है और इस अनमोल जीवन को नशे की लत में नष्ट कर समय से पहले ही मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाने के साथ-साथ मादक पदार्थों से मुकाबले के लिए विभिन्न देशों द्वारा उठाए गए कदमों तथा इसके मार्ग में उत्पन्न चुनौतियों तथा निवारण का सही सही उपचार भी बताता है। वैसे इतने घातक तथा खतरनाक नशे की लत को केवल 26 जून को नशा निरोधक दिवस बना कर इतिश्री नहीं कर लेना चाहिए, बल्कि इसके विरुद्ध हर देश को एक व्यापक जन अभियान भी चलाना चाहिए। 26 जून का दिन मादक पदार्थों से मुकाबले का प्रतीक बन गया है।और इस दिवस पर मादक पदार्थों के उत्पादन तस्करी तथा सेवन के दुष्परिणामों से बचने के उपायों के बारे में विस्तृत चर्चा भी की जानी चाहिए।

भारत दक्षिण एशियाई देशों के मध्य हीरोइन का बड़ा उपभोक्ता देश बनते जा रहा है। भारत के कई भूभाग पर अफीम की खेती भी की जाती है। पारंपरिक तौर पर किस के बीच पोस्तों से सब्जी बनाकर खाई जाती थी, किंतु कालांतर में इसका उपयोग एक मादक पदार्थ के रूप में आरंभ हुआ जिसने एक बहुत बड़ा खतरनाक रूप ले लिया। एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत में 12 से 60 साल की उम्र के लोगों में नशे की लत लगभग 1.6% देखी गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में जिस अफीम की हीरोइन में तब्दील नहीं किया जाता उसका दो तिहाई हिस्सा 5 बड़े देशों में इस्तेमाल होता है इसमे ईरान 42%, अफगानिस्तान पाकिस्तान 7%,भारत खुद 6% तथा रूस में इसका 5% उपयोग होता है। भारत में 2008 में 17 मि,टन हीरोइन की खबत होती थी,और वर्तमान में भारत में अफीम की खपत 65 से 70 मी,टन प्रति वर्ष होने लगी है। यह विश्व में इस्तेमाल होने वाली अफीम का 6% है। भारत में ही अफीम की 1500 से लेकर 2000 हेक्टेयर में अफीम की अवैध खेती होती है। यह तथ्य वास्तव में देश के लिए और देश के युवा तथा बच्चों के लिए अत्यंत खतरनाक है। इस पर शासन प्रशासन द्वारा कड़ी नजर रख इस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

भारत में शराब सेवन करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है साथ ही मध्य पान के कारण 1500 से दो हजार भारतीय आज शराब के नशे में प्रतिवर्ष मरने भी लगे हैं। आज की स्थिति में हर 20 व्यक्तियों में से एक व्यक्ति शराबखोर है।पुरुष तो पुरुष महिलाएं भी आज की स्थिति में मध्य पान की ओर आकर्षित हो रही हैं। विशेषकर उच्च तथा मध्यम वर्गीय परिवारों में महिलाएं शराब का सेवन करने लगी है ।इसमें से कुछ महिलाएं खुलेआम कुछ छुप-छुपकर इसका सेवन करती हैं। महानगरों में बड़े शहरों की कामकाजी महिलाओं के छात्रावासों तथा हॉस्टल में महिलाओं का शराब का सेवन तेजी से बढ़ते जा रहा है एक सर्वे के अनुसार करीब 20 से 25% महिलाएं शराब खोरी की गिरफ्त में आ चुकी हैं। यूरोपियन देशों में महिलाओं की नशाखोरी की आदत का प्रतिशत 60% से ऊपर है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बैठकों सेमिनार तथा मीटिंग में शराब का सेवन एकदम आम बात बन गई है।

यह एक फैशन की तरह महिलाओं के मध्य फैल कर उन्हें नशे की लत में डुबोने लगा है। मनोवैज्ञानिक डॉक्टरों के अनुसार नशा मनुष्य के जीवन के लिए जहर जैसा है, नशे की लत में वैवाहिक जीवन भी टूटने के कगार पर आ जाता है।मनुष्य के शरीर का लीवर, किडनी तथा अन्य अंग खराब होकर मृत्यु की ओर ले जाने को तत्पर रहते हैं। नशे से दूर रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तथा राष्ट्रीय स्तर पर भारत में भी अनेक उपाय किए जा रहे हैं। नशा मुक्ति केंद्र तथा नशे के पदार्थों पर चेतावनी आदि लिखने का काम किया जा रहा है। नशा आज युवाओं को पथभ्रष्ट चरित्रहीन और अपराधी बनाने के पीछे एक बड़ा घातक कारण है। नशे की प्रवृत्ति से बचाने के लिए मनुष्य को नशे से हर हाल में दूर रखना होगा अन्यथा आने वाली पीढ़ी राष्ट्रीय चरित्र राष्ट्रीय सम्मान तथा राष्ट्रीय शक्ति को भूलती जाएगी और नशे की लत में युवा अपने कर्तव्य से परे हो जाएगा। जोकि एक बहुत खतरनाक स्थिति होगी।

संजीव ठाकुर
चिंतक, टिप्पणीकार
वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक,
रायपुर छत्तीसगढ़

मच्छर बनाम नेता

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई 2024: "भैया! मच्छर या मशक मनुष्य के खून को किस तरह पीते हैं, आपको मालूम है?"

"चमड़े पर बैठते हैं फिर अपने सुई सी सूंड काटते हैं और खून पी जाते हैं।"

"वह तो ठीक है। लेकिन वे काटने के लिए मनुष्य को किस तरह से पहचानते हैं मालूम?"

"अरे क्या यार! सुबह-सुबह मच्छरों के नाम पर आक्रमण करना शुरू कर दिया! शायद गंध के कारण पहचानते होंगे।"

"न भैया न! केवल गंध से पहचान कर खून पी रहे हैं, अगर ऐसा सोचते हैं, तो गलत है। वे अपने लिए भोजन देते मनुष्य के अस्तित्व को पहचानने का तरीका अद्भुत है, अद्वितीय है. हम जो उसाँस छोड़ते हैं - कार्बन डाइऑक्साइड, उसके आधार पर उनको पता लगता है कि हां यहां मनुष्य है। इसका कुछ खून पिया जाना चाहिए।"

"ऐसा सोचते हैं, तो फिर क्या?"

"अरे भैया इतनी आसानी से मत निकाल दो इन सबको। अगर हम जैसे बुद्धिमान व्यक्ति चालाक बनकर मच्छरों से बचना चाहें और अगर सांस रोकें भी तो, उनकी मार से नहीं बच सकते। क्योंकि हमारे पसीने में जो गंध है उसके आधार हम पर हमला कर देते हैं।"

"अगर हम अपने पसीने की गंध से बचने इत्र लगा लें तो?"

"फिर भी कोई फायदा नहीं। यह हमारे शरीर के तापमान के आधार पर भी हमें पहचान लेते हैं। मच्छर कुछ रंगों को पहचानते हैं और कुछ रंगों को शायद नहीं पहचानते।"

"अब बंद भी करोगे तुम अपना यह मच्छर पुराण! यह सब क्या तुमने रिसर्च करके पता लगाया है?"

"न न न भैया! हममें इतना ज्ञान कहाँ विज्ञान का? यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन के वैज्ञानिकों के शोध में यह सारा कुछ मिला है। इसी बीच उन्होंने इन बातों का खुलासा किया है।"

"सारा विश्व ऐसे शोधों में नित कोई नई बात पर रोशनी डाल रहे हैं। इसके लिए इतना अधिक बकवास कर थक जाने की क्या जरूरत है? तुम्हारे अति उत्साह को तो मच्छर ले जाएं।"

"बाकी अध्ययन की बातें ठीक है भैया! लेकिन यह सोच मुझ में कई तरह के विचारों को उत्पन्न करने का जरिया रहा है।"

"सबसे पहले तुम अपने दिमाग से उन मच्छरों को हटाओ और कोई नई बात अगर हो तो बताओ।"

"वहीं आ रहा हूं भैया! मच्छरों के स्वभाव को, उनके सहज गुणों को अगर हम पता लगाएं तो उन्हें किस तरह से धोखा दिया जा सकता है मालूम तो होगा। वही कि जिन रंगों को पहचानते हैं, उनके अलावा जिन रंगों को वो नहीं पहचानते हैं - वैसे कपड़े पहनें तो, मच्छरों से बच सकते हैं।"

"हाँ! तुम्हारी बातों में दम अब लग रहा है।"

"वह सब तो ठीक है। लेकिन हमारे राजनीति के धुरंधर नेताओं के लक्षण क्या हैं, यह हमें कई दशकों से पता चला है। फिर भी हम उनके हाथों से बच नहीं पा रहे हैं, क्यों? हमारे वोट से जीत कर हमारी पीठ पर छुरा भोंकने वाले को हम पूरी तरह क्यों नहीं पहचान पा रहे हैं? वह कितना भी दुष्ट क्यों न हो, एक मौका दे दो भैया कहते ही हम अपना सब कुछ वोट के जरिये उसके हाथ में सौंप रहे हैं। उसके बाद देखो मेरे भैया! पाँच साल तक वह हमें मच्छर की तरह काटता है, खून की आखिरी बूंद तक स्ट्रॉ डाले चूसते ही रहता है। ऐसा क्यों हो रहा है?"

"क्योंकि उन्हें हमारी कमजोरियों का अच्छी तरह से पता है, इसलिए।"

"भैया! आप भी न! अगर नेताओं को सबक सिखाना है तो अपने वोट से उनके सिर के बाल हम झिंझोड़ सकते हैं कि नहीं?"

"उसके लिए पाँच साल रुकना पड़ेगा न। इस बीच तुझे गुड दिखा कर ढेला मारने वाले नेताओं की इस देश में कोई कमी नहीं है।"

"जिस तरह मच्छर खून पीते हैं, उसी तरह हमारे भविष्य को निगलने वाले इस तरह के नेताओं को वोट न देने का, हम सबको शपथ लेना होगा भैया!"

"अभी तो तू ऐसा ही कहेगा। नेताओं से मिलने वाले हरे-हरे नोट, दारू, बिरयानी तुम्हारी बुद्धि भ्रष्ट कर रहे हैं कि नहीं। उसी नशे में तुम हो कि उन्हें ही वोट डाल रहे हो। है न! सच्चाई का तुम्हें पता चले, इससे पहले ही धोखेबाज और वादा खिलाफी करने वाले नेताओं के पैर तुम्हारे सिर पर ताण्डव नाच कर रहे होंगे।"

"फिर इनसे बचने के लिए क्या करना होगा भैया!"

"यह बहुत मुश्किल है। जिस तरह मच्छर उन्हें मारने वाली दवाओं के प्रति अपनी इम्युनिटी बढ़ाए जा रहे हैं, उसी तरह हमारे राजनेता भी उनके षड्यंत्रों को, हमारी जानकारी में आए बिना नए नए रूपों में और नए नए तरीकों में बना रहे हैं। कुछ लोग तो बड़े नामी-गिरामी उद्दंड पंडितों को और कुछ लोग शकुनि के दादा जैसे कूटनीतिज्ञों को मैदान में उतार रहे हैं। किस प्रांत की जनता कौन सी योजना में फंस सकती है? कौन सी भाषा बोलने वाले किन मेहरबानियों के वश में होंगे? और किस उम्र के लोग किस तरह के नजरानों के प्रति लालच दिखाएंगे? यह सारा वे कूटनीतिज्ञ आराम से पता लगा लेते हैं और उसे अमल में लाते हैं।"

"हां सही कहा तुमने भैया! मच्छरों की रासायनिक पदार्थों के खिलाफ अपनी रोग निरोधकता बढ़ाने की शक्ति अनंत है और हमारे राजनेताओं के पास जनता को वश में करने कई सारी युक्तियों का पता है। पेट भरने के लिए खून पीने वाले मच्छर से अधिक हमारे भविष्य को लूटने वाले नेता ही बहुत अधिक खतरनाक हैं। ऐसे नेताओं को पहचान कर उन्हें पाताल तक कुचल देना ही हमारा परम कर्तव्य है।"

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

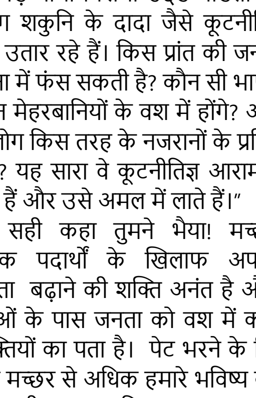

विरहिन की पीड़ा

गीत विरह के गाते- गाते, विरहिन आंसू बहा रही है
साजन से विछोह की पीड़ा, उसको हरदम सता रही है
पल-पल भारी विरहिन लागे, यादों में वह निश-दिन जागे
कब तक करूं प्रतीक्षा साजन, दर्पण सूरत चिढ़ा रही है
आएंगे कब मेरे प्रियतम,विरह की ज्वाला धुधक रही है
गीत विरह के गाते- गाते , विरहिन आंसू बहा रही है

सावन घटा गगन में छाई, यौवन ने भी ली अंगड़ाई
नील गगन में उड़ते बादल, भर भर नीर चले इतराई
डले हिंडोले झूला झूलें, आपस में बतियाती सखियां
संकेतों में करें बडा़ई, पिय को नाम लेत शरमाईं
अंखियां तरस रहीं दर्शन को, नींद उनींदी बुला रही है
गीत विरह के गाते-गाते, विरहिन आंसू बहा रही है

क्या कारण सुध भूल गए तुम, चिंता मुझको सता रही है
किस कामिनी के फंसे जाल में, शंका मन में समा रही है
भूख प्यास सब भूल गई मैं, शंकाओं का बिछा जाल है
कैसे धीर धरूं पिय मोरे, खुद ही की छाया डरा रही है
कभी शिकायत की न करूंगी,सदा समर्पण जता रही है
गीत विरह के गाते- गाते, विरहिन आंसू बहा रही है

गहरे बादल तड़ित हुआ जब, पिय का हृदय धड़क रहा है
अर्ध चैतन्य अवस्था में उठ, प्रिया प्रिया चिल्लाय रहा है
तप करने को निकला था वह, ताप से वहां घबराय रहा है
प्रेयसि की विरही पीड़ा से, पल पल व्याकुल तड़प रहा है
चाह मिलनअपनी भार्या से , नैनों मूरत समा रही है
गीत विरह के गाते- गाते, विरहिन आंसू बहा रही है

करे कामना पर लगने की, द्रुत गति से वह चला आ रहा
जप तप नियम भूल घर लौटा, कर्तव्य बोध का ध्यान कर रहा
चंद कदम दूरी सजनी की, डग-डग भारी मार्ग हो रहा
भर मन शक्ति वह चिल्लाया, मन मंदिर में मिलन हो रहा
आत्म मिलन की उस बेला में, नैनन धारा निकल रही है
गीत मिलन के गाते- गाते, विरहिन आंसू बहा रही है

स्तब्ध खड़े एक टक निहारते,मूक बने मन मन पछतैयां
झर झर झर झर झरते आंसू, रो रो कर ले रहे सिसकियां
विरह मिलन का दृश्य अजब था, दोनों मिल ले रहे बलैय्यां
अदृश्य प्रेम की पराकाष्ठा, डाल रहे दोनों गलबहियां
प्रेम मिलन के इस संगम पर,बदरी रिमझिम बरस रही है
गीत मिलन के गाते-गाते, विरहिन आंसू बहा रही है ।।

बच्चूलाल परमानंद दीक्षित
कोलफील्ड मिरर

नेपाल - जहाँ राजनीतिक स्थिरता मायावी बनी हुई है और 2008 के बाद से 13 अलग-अलग सरकारें बदल चुकी हैं!

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई 2024: नेपाल में आज पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड की सरकार गिरने के बाद केपी शर्मा ओली ने सरकार बनाने का दावा पेश किया गया है।द काठमांडू पोस्ट के मुताबिक ओली ने नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देउबा के साथ राष्ट्रपति को सरकार बनाने की अर्जी सौंपी थी। उन्हें आज दोपहर तक प्रधानमंत्री बना दिया जाएगा और साथ ही उनका शपथ ग्रहण आज ही दोपहर तक हो जाएगा।ओली और देउबा के बीच हुई डील के मुताबिक दोनों अगले चुनाव तक बारी-बारी प्रधानमंत्री पद पर बने रहेंगे। सरकार चलाने के लिए दोनों के बीच 7 पॉइंट एग्रीमेंट बना है।

नेपाल में प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, वह संसद में विश्वासमत हासिल करने में नाकाम रहे। वे सिर्फ 1 साल 6 महीने ही प्रधानमंत्री रह पाए। फ्लोर टेस्ट में उन्हें 275 में से सिर्फ 63 सांसदों का साथ मिला। नेपाल की नेशनल असेंबली के 194 सांसदों ने उनके खिलाफ वोट किया। उन्हें सरकार बचाने के लिए 138 सांसदों के समर्थन की जरूरत थी। अब, एक नए मोड़ में, यह गठबंधन भी समाप्त हो गया है, जिससे ओली प्रचंड के पद पर आसीन होने के लिए तैयार हैं, जो हिमालयी राष्ट्र में एक नया अध्याय जोड़ रहा है, जहां राजनीतिक स्थिरता मायावी बनी हुई है और 2008 के बाद से 13 अलग-अलग सरकारें रही हैं, जब सदियों पुरानी राजशाही को समाप्त कर दिया गया था और नेपाल एक गणराज्य में बदल गया था।

दरअसल, इस महीने की शुरुआत में चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की पार्टी CPN-UML ने प्रधानमंत्री प्रचंड की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल से गठबंधन तोड़ लिया था। इसके बाद उनकी सरकार अल्पमत में आ गई थी। नेपाल के संविधान के आर्टिकल 100 (2) के तहत उन्हें एक महीने में बहुमत साबित करना था। वे ऐसा नहीं कर पाए।

गौरतलब है कि जुलाई 2021 नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री खड्ग प्रसाद शर्मा ओली ने में अपने विदाई भाषण में कहा था कि मेरे पास जनादेश था, लेकिन अदालत का आदेश देउबा के पक्ष में गया। यह बात तब कही गई थी जब सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने फैसला सुनाया था कि राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी द्वारा प्रधानमंत्री ओली की सिफारिश पर प्रतिनिधि सभा को भंग करना गैरकानूनी था।

अब, जुलाई 2024 में, नेपाली कांग्रेस (एनसी) के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष ओली के पक्ष में हैं, जिससे उनका चौथी बार नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में लौटना हो रहा है। और, सहयोगी के रूप में उनकी पहली जीत तब हुई जब मौजूदा प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने शुक्रवार को संसद में विश्वास मत खो दिया।महीने की शुरुआत में एक गुप्त बैठक के दौरान , 78 वर्षीय देउबा और दो सबसे बड़ी पार्टियों के प्रमुख 72 वर्षीय ओली ने शुरुआत में ओली के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनाने का फैसला किया था, जिसका नेतृत्व 22 महीने बाद देउबा करेंगे।

देखा जाय तो नेपाल के दिग्गज कम्युनिस्ट नेता ओली का राजनीतिक करियर उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जो उनकी राष्ट्रवादी बयानबाजी और पड़ोसी भारत के साथ टकराव की वजह से खासा चर्चित रहा है। ओली ने 2015-2016 और 2018-2021 में दो बार नेपाल के प्रधानमंत्री के तौर पर काम किया है, लेकिन एक विवादित फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें पद से हटा दिया था।

"नेपाली राष्ट्रवाद" के चेहरे के रूप में देखे जाने वाले ओली की राष्ट्रवादी बयानबाजी और आलोचकों तथा विरोधियों के प्रति टकरावपूर्ण दृष्टिकोण ने उन्हें प्रशंसा और आलोचना दोनों ही दिलवाई। जहां उनके समर्थक उन्हें नेपाली संप्रभुता के चैंपियन के रूप में देखते थे, वहीं उनके आलोचकों ने उन पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और आर्थिक वृद्धि और विकास में विफल रहने का आरोप लगाया।

उनकी लोकप्रियता तब और बढ़ गई जब नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (यूएमएल) ने पुष्प कमल दहल प्रचंड के नेतृत्व वाली नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी-केंद्र) के साथ चुनाव-पूर्व गठबंधन करके 2018 के चुनावों में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। इस गठबंधन के कारण दोनों दलों का नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी में ऐतिहासिक विलय हुआ, जिसमें ओली और प्रचंड सह-अध्यक्ष बने और प्रधानमंत्री का कार्यकाल साझा करने पर सहमत हुए। ओली के कार्यकाल में "समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली" जैसे महत्वाकांक्षी वादे देखे गए, लेकिन उम्मीदों के पूरा न होने और सत्ता के केंद्रीकरण से यह खराब हो गया, जिसमें जांच एजेंसियों को प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन लाना भी शामिल था। प्रचंड के साथ सत्ता-साझाकरण समझौते का सम्मान करने की उनकी अनिच्छा और वफादारों के साथ तरजीही व्यवहार ने पार्टी के अंदरूनी संघर्षों को जन्म दिया, जिसके परिणामस्वरूप प्रचंड ने समर्थन वापस ले लिया और गठबंधन में विभाजन हो गया।

ओली की सत्ता पर पकड़ तब और कमज़ोर हो गई जब उन्होंने 20 दिसंबर, 2020 को अचानक संसद को भंग कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने वादों को पूरा करने में बाधा का हवाला दिया, जबकि इस तरह के कदम के खिलाफ संवैधानिक प्रतिबंध हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस विघटन को रद्द कर दिया, संसद को बहाल कर दिया, लेकिन ओली को संसदीय सत्रों से बचने और अध्यादेश द्वारा शासन करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। मई 2021 में विश्वास मत विफल होने के बाद, उन्हें अनुच्छेद 76(3) के तहत प्रधान मंत्री के रूप में फिर से नियुक्त किया गया क्योंकि विपक्षी दलों में से कोई भी निर्धारित समय सीमा के भीतर बहुमत वाली सरकार नहीं बना सका या अपना दावा पेश नहीं कर सका, राष्ट्रपति ने 22 मई, 2021 की आधी रात को प्रतिनिधि सभा को भंग कर दिया और ओली अल्पमत के प्रधानमंत्री बन गए। नतीजतन, ओली सरकार 12 से 19 नवंबर, 2021 तक नए चुनाव होने तक अंतरिम सरकार बन गई।

इस कार्रवाई को चुनौती दी गई और 12 जुलाई 2021 को सुप्रीम कोर्ट ने न केवल विघटन को रद्द कर दिया, बल्कि ओली की नियुक्ति को भी रद्द कर दिया, और शेर बहादुर देउबा को प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त करने का निर्देश दिया।2022 के चुनावों के बाद, जिसमें NC सबसे बड़ी पार्टी बनी, दूसरे स्थान पर CPN-UML रही, जबकि माओवादी केंद्र पार्टी तीसरे स्थान पर रही। CPN-माओवादी केंद्र के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल ने प्रधानमंत्री पद के लिए अपना दावा पेश किया। हालाँकि, संसद में बहुमत रखने वाली NC ने उन्हें नया प्रधानमंत्री मानने से इनकार कर दिया। इसके बाद, दहल ने अपनी उम्मीदवारी को मजबूत करने के लिए CPN-UML और नई उभरी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) से समर्थन मांगा और दहल को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया, जिससे ओली किंग मेकर की भूमिका में आ गए।

हालांकि, मार्च 2023 में रणनीति में बदलाव करते हुए, दहल ने राष्ट्रपति पद के लिए एनसी नेता राम चंद्र पौडेल का समर्थन करने पर सहमति जताई, जिसके परिणामस्वरूप एनसी, माओवादी पार्टी और दो छोटी पार्टियों के बीच गठबंधन का गठन हुआ। इस कदम ने ओली की सीपीएन-यूएमएल को विपक्ष में धकेल दिया।

फिर भी, सिर्फ़ एक साल बाद ही आंतरिक तनाव और विफल वादों ने एनसी-माओवादी गठबंधन को कमजोर कर दिया, जिससे माओवादियों को यूएमएल के साथ गठबंधन संबंधों को पुनर्जीवित करने के लिए प्रेरित होना पड़ा। बातचीत के परिणामस्वरूप अंततः दहल और ओली ने गठबंधन बनाने के लिए सुलह कर ली, जो कम्युनिस्ट प्रभाव को कम करने से सावधान था।

दरअसल, नेपाल में आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली है। इस तरह संघीय सरकार पर प्रांतीय दलों और सरकारों का दबदबा लगातार बना रहता है। जबसे वहां नेपाली पंचायत की जगह बहुदलीय व्यवस्था लागू हुई है, तबसे गठबंधन सरकारों का दौर शुरू हुआ है और अब कहा जाता है कि राजनीतिक अस्थिरता वहां का स्थायी भाव बन चुका है। क्षेत्रीय दल बेशक संघीय स्तर पर छोटे नजर आते हैं, मगर प्रांतीय स्तर पर उनकी स्थिति मजबूत होने की वजह से वे आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली में दबदबा बनाने में कामयाब रहते हैं।

उनका मकसद ज्यादातर संघीय सरकार में पद और राजनीतिक लाभ उठाने का अधिक रहता है। इसीलिए वहां अतिराष्ट्रवाद जैसी विचारधारा भी विकसित हुई है। इस राजनीतिक जोड़-तोड़ के चलते नेपाल में भ्रष्टाचार बढ़ा है, वह दुनिया के सबसे कम विकसित देशों की श्रेणी में आ गया है। लोग इस राजनीतिक अस्थिरता से परेशान हैं। अगर वहां की संविधान सभा में जल्दी इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं तलाशा गया, तो नेपाल का हाल दिन पर दिन खराब ही होता जाएगा।

अशोक भाटिया

बाप बेटे दोनों ही अपने हित में राजनीतिक खेल खेंल रहे हैं तथा इन्हें देश, प्रदेश हित नहीं बल्कि अपना हित बैहद जरूरी लगता हैं

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई 2024: कठुआ में सेना के वाहन पर आतंकियों ने हमला किया और घने जंगलों से होते हुए पीओके में भाग गए इस पर इस बार फारूक अब्दुल्ला ने इनके पाकिस्तानी आकाओ को धमकी देते हुए कहा है कि इन वारदातों के चलते पाकिस्तान से बातचीत करना असंभव है तब इसे सुनकर हर भारतीय आज शायद यही समझ रहा है कि फारूक अब्दुल्ला भारतीय हितों को ध्यान में रखकर अपनी बात कह रहे हैं परंतु जब उनके ही सुपुत्र एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने यह कहा कि आतंकी बेशक बेकसूर है, अतः इन्हें हल्के में हि लेना चाहिए। तब यह सुनकर हमें तो यही लगता है कि हमेशा हि यह अब्दुल्ला परिवार अपनी सेहत के अनुसार राजनीतिक बयान बाजी करता है एवं इन्हें देशहित से कोई ताल्लुक नहीं रहता है। कारण जब पिता फारूख अब्दुल्ला ने आंतक के नाम पर पाकिस्तान को लताड़ा तो वहीं दूसरी ओर बेटे उमर अब्दुल्ला ने पाकिस्तान के भेजे जा रहे आतंकियों को दुलारते हुए उन्हें बेकसूर आंतकी कहा है यानी दोनों ही बाप बेटे राजनीति में बने रहने के लिए अपने बयान बदलते रहते हैं एवं उनकी निगाह में देश हित कोई बड़ा मसला नहीं है, जबकि आज देश तो यही चाहता है कि जब आज देश हित में धारा 370 हटाने के बाद आज इन कश्मीरी दलों के नेताओं को जब हर तरह से कानुनन सुख सुविधा मिल रही है तब अब इन सभी को यह अवश्य समझ लेना चाहिए कि हमारा भला, कश्मीर का भला अब भारत के साथ जुड़े रहने में ही तय है अतः फिर जब यह सब राजनैतिक दल चुनाव जीत कर प्रादेशिक स्तर पर सत्ता में आएंगे तो इनका हित एवं प्रदेश का हित देश के साथ ही जुडा होना चाहिए। मगर यहां तो हमेशा देखा यही जाता है कि पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस हमेशा पाकिस्तान की तरफ से हि बातें करते नजर आते हैं तथा इसमें भी उन्हें अपने हितों का सबसे ज्यादा ध्यान रहता है।भारत देश एवं कश्मीर प्रदेश के हित से इन्हें कोई वास्ता नहीं रहता हैं, अतः यह सब अब यहां की जनता को अवश्य समझ लेना चाहिए कि बरसों से कश्मीर घाटी पर राज करने वाले इन राजनीतिक दलों एवं इनके नेताओं ने हमेशा कश्मीर का भला न सोच कर पाकिस्तान के हित की बातें हि क्यों करते रहते हैं जबकि पाकिस्तान ने तो कभी भी इस कश्मीर घाटी का कोई भला कभी नहीं चाहा उसने तो हमेशा ही यहां पर आतंकी भेज कर कश्मीर घाटी को बर्बाद करने का ही अधिक प्रयास ज्यादा किया है। अतः हमारा तो आज कश्मीर की जनता को यही कहना है कि उन्हें ऐसे स्वार्थी नेताओं का बाय काट अवश्य करना चाहिए तथा ऐसे सच्चे एवं ईमानदार नेताओं को चुनना चाहिए जो कश्मीर घाटी का हित और देश का हित चाहते हो तथा जो कश्मीर की जनता का भी सर्वाधिक भला चाहते हो एवं जो कश्मीर के विकास को अपना व्यक्तिगत स्वार्थ समझते हो।

मनमोहन राजावतराज
शाजापुर

अतिआत्मविश्वास का खामियाजा भुगतना पड़ता- योगी आदित्यनाथ

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (लखनऊ): लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद पहली बार लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी कार्यसमिति की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2024 के चुनाव परिणामों पर कहा कि अतिआत्मविश्वास का खामियाजा भुगतना पड़ता है। लोकसभा चुनाव के बाद पहली कार्यसमिति की बैठक में सीएम योगी ने सभी का अभिनंदन करते हुए अपना भाषण शुरू किया।

सीएम योगी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में यूपी में जो भी परिणाम आए हैं उसे लकेर बीजेपी कार्यकर्ताओं को किसी भी स्थिति में बैकफुट पर आने की जरूरत नहीं है।

क्योंकि आपने पिछले चुनावों में करके दिखाया है। सीएम योगी ने कहा कि हम सब जानते हैं कि बीजेपी ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014, 2017, 2022 में भारी सफलता प्राप्त करते हुए विपक्ष को उसकी वास्तविक स्थिति तक पहुंचाने का काम किया था।

कोई संदेह नहीं 2014, 2017, 2022 में जितना मत प्रतिशत बीजेपी के पक्ष में था, 2024 में भी सभी कार्यकर्ताओं के प्रयास से उतना मत प्रतिशत पाने में बीजेपी सफल रही। लेकिन वोटों की शिफ्टिंग और इस अति आत्मविश्वास में कि हम तो जीत रहे हैं, कहीं न कहीं खामियाजा भुगताना पड़ता है।

सीएम योगी ने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि नगर निकाय चुनाव में 17 की 17 सीटें बीजेपी ने जीती थी। प्रदेश के अंदर सर्वाधिक महापौर और पार्षद बीजेपी के बने..आजमगढ़ और रामपुर के चुनाव में भी बीजेपी ने जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि एक-एक कार्यकर्ता को एकजुट होकर काम करना होगा..यूपी जो छठी अर्थव्यवस्था थी अब देश की दूसरी अर्थव्यवस्था बन गई है।

सीएम योगी ने कहा 2014, 2017,2022 की तरह जीत का मोमेंटम बना रहना चाहिए और 2027 में भी बीजेपी बड़ी जीत हासिल करेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "याद कीजिए मुहर्रम के समय में सड़कें खाली हो जाया करती थीं। आज मुहर्रम आयोजित हो रहा है इसका पता भी नहीं लग रहा। ताजिया के नाम पर घर तोड़े जाते थे, पीपल के पेड़ काटे जाते थे, सड़कों के तार हटाए जाते थे। आज कहा जाता है किसी गरीब की झोपड़ी नहीं हटेगी... आज कहा जाता है सरकार नियम बनाएगी, त्योहार मनाने हैं तो नियमों के अंतर्गत मनाओ नहीं तो घर बैठ जाओ।

भारतीय वायुसेना ने 25 साल पहले हुए करगिल युद्ध में अपनी भूमिका को याद किया

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (दिल्ली): भारतीय वायुसेना ने 25 साल पहले हुए करगिल युद्ध में अपनी भूमिका को रविवार को याद किया। इसने दुश्मन के खिलाफ लड़ाई में थलसेना के प्रयासों को मजबूत करने के लिए हजारों लड़ाकू मिशन और हेलीकॉप्टर उड़ानों को अंजाम दिया था। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वायुसेना देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों के सम्मान में 12-26 जुलाई तक वायुसेना स्टेशन सरसावा में 'करगिल विजय दिवस रजत जयंती' मना रही है।

भारत ने 1999 में दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र में लड़ी गई इस लड़ाई में पाकिस्तान को धूल चटा दी थी। वायुसेना प्रमुख एअर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले सभी वायु योद्धाओं को श्रद्धांजलि के रूप में शनिवार को वायुसेना स्टेशन स्थित युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया और उनसे बातचीत की।

एअर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि भारतीय वायुसेना के पास अपने वीर वायु योद्धाओं के साहस और बलिदान की गौरवपूर्ण विरासत है, जिन्होंने 1999 के करगिल युद्ध में वीरता से लड़ाई लड़ी थी। वास्तव में यह सैन्य विमानन के इतिहास में एक मील का पत्थर था।

उन्होंने कहा कि करगिल युद्ध में 'ऑपरेशन सफेद सागर' चलाया गया था। ये ऑपरेशन 16 हजार फुट से अधिक की खड़ी ढलान और चक्करदार ऊंचाइयों की चुनौतियों का सामना करने की भारतीय वायुसेना की सैन्य क्षमता का प्रमाण है। कुल मिलाकर वायुसेना ने लगभग पांच हजार लड़ाकू मिशन, 350 टोही/ ईएलआईएनटी मिशन और लगभग 800 एस्कॉर्ट उड़ानें भरीं। भारतीय वायुसेना ने घायलों को सुरक्षित निकालने और हवाई परिवहन कार्यों के लिए दो हजार से अधिक हेलीकॉप्टर उड़ानें भी भरीं।

एयर चीफ मार्शल ने कहा कि वायुसेना स्टेशन सरसावा की 152 हेलीकॉप्टर यूनिट, 'द माइटी आर्मर' ने 'ऑपरेशन सफेद सागर' के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 28 मई 1999 को 152 एचयू के स्क्वाड्रन लीडर आर पुंडीर, फ्लाइट लेफ्टिनेंट एस मुहिलान, सार्जेंट पीवीएनआर प्रसाद और सार्जेंट आरके साहू को तोलोलिंग में दुश्मन के ठिकानों पर सीधा हमला करने के लिए 'नुबरा' फॉर्मेशन के रूप में उड़ान भरने की जिम्मेदारी दी गई थी।

इस हवाई हमले को सफलतापूर्वक अंजाम देने के बाद उनके हेलीकॉप्टर को दुश्मन की स्टिंगर मिसाइल ने निशाना बनाया जिसमें चार वीर सैनिकों ने प्राणों का बलिदान दिया और असाधारण साहस के इस कार्य के लिए उन्हें मरणोपरांत वायुसेना पवीरता) से सम्मानित किया गया था।

शक्ति महायज्ञ में आठवें दिन श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के शेरमारी प्रगति मैदान में बाल संत त्यागी जी महाराज इंटरनेशनल भिखारी के तत्वावधान में चल रहे नौ कुंडीय शक्ति महायज्ञ के आठवें दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालु अहले सुबह से ही पहुंच यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर पुण्य के भागी बने साथ ही यज्ञ क्षेत्र में स्थापित विभिन्न देवी देवताओं की पूजा अर्चना की। वहीं यज्ञाचार्य हरेन्द्र शास्त्री वाराणसी के नेतृत्व में यज्ञ मंडप में हवन-पूजन व आहुति कराई गई। संध्या समय यज्ञ क्षेत्र में लगे मेला को देखने व आरती में शामिल होने के लिए पुरुष महिला एवं बच्चों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रात्रि में चल रहे श्रीरामकथा में कथावाचक अजय परासर के द्वारा श्रीराम विवाह की कथा रूपी ज्ञान की गंगा बहाई गई। इस दौरान भव्य झांकी की भी प्रस्तुति हुई। जिसे देखने व सुनने के लिए लोगों की भारी भीड़ देर रात तक तटस्थ रही।

मोहर्रम कमेटी के साथ पुलिस ने की बैठक, आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के मेहरपुर में कहलगांव एसडीपीओ 2 डॉ० अर्जुन कुमार गुप्ता, थाना अध्यक्ष नीरज कुमार, एसआई बबलू कुमार ने मुस्लिम समाज के प्रबुद्ध लोगो के साथ बैठक कर सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व मनाने को लेकर आपसी सहमति बनाई। साथ हीं कुछ परेशानियों को तालमेल के साथ निपटारा किया गया। खानपुर गांव में भी बैठक कर आपसी सहमति के साथ पर्व मनाने की अपील की गई।

इस दौरान मुहर्रम कमिटी के सदस्य व अन्य लोग मौजूद रहे। वही सलेमपुर पंचायत स्थित शाहाबाद मस्जिद के समीप पुलिस अवर निरीक्षक संजय कुमार महाराज व केके राय के द्वारा जनप्रतिनिधियों व दोनों समुदाय के स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर आपसी सौहार्द एवं भाईचारे के साथ सरकारी गाइडलाइन के मुताबिक मोहर्रम का त्यौहार मनाने का अपील किया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जुलूस के दौरान ड्रोन कैमरे से जुलूस की निगरानी व वीडियोग्राफी की जायेगी। ताकि हुड़दंगी किसी प्रकार की साजिस नहीं रच सके। अमर्यादित व्यवहार करने वाले हुड़दंगियों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी, वैसे लोगों को चिन्हित कर पुलिस कड़ी कानूनी कार्यवायी करेगी।

इस दौरान मुखिया प्रतिनिधि घनश्याम दास, मंगलू दुबे, राजद नेता सुधांशु शेखर, चंद्रशेखर यादव, मो० बरकत अंसारी, मो. मलिक, मो० सामदानी, मो. अनवर सहित दोनों समुदाय के अन्य लोग उपस्थित थे।

सतसंग है प्राथमिक सीढ़ी, स्वर्ग बैकुंठ उपरी लोकों में जाने के लिए, यहां की भाषाओं किताबों के ज्ञान से रोजी रोटी मिलेगी, मुक्ति मोक्ष नहीं

सिनेमा देखने वाले, होटल में खाने वाले, ऐशोआराम करने वाले कभी भजन नहीं कर सकते

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (बावल/ हरियाणा): विभिन्न भाषाओं के और कोरे किताबी ज्ञान से कहीं आगे आध्यात्मिक ज्ञान देने वाले, उसका प्रैक्टिकल अनुभव कराने वाले, जीवात्मा की खुराक प्रभु का सच्चा भजन करने का तरीका बताने वाले, इस समय के पूरे समरथ सन्त सतगुरु दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने बताया कि सतसंग से बहुत से चीजों की जानकारी होती है। जैसे मकान पर ऊपर चढ़ना हो तो पहली, दूसरी, तीसरी सीढ़ी होती है ऐसे ही ये प्राथमिक सीढ़ी है स्वर्ग बैकुंठ जाने की। आजकल बच्चों को सतसंग में नहीं लाते हैं तो सतसंग बिन जाने नही, दया दीन उपकार, जो कि (आत्म कल्याण की) प्राथमिक सीढ़ी है। उसी को समझ नहीं पाते हैं। दया करना बहुत बड़ा धर्म होता है। दया धर्म तन बसै शरीरा, ताकर रक्षा करे रघुवीरा। जिसके अंदर दया है, उसके अंदर कहते हैं आप हैं, भगवान हैं। जीवों पर दया करना, करवाना जो लोग नहीं सीख पाते, हिंसा हत्या वाला ही खाते हैं, उनकी बुद्धि पशुओं जैसी हो जाती है। उनको क्या पता? सतसंग तो सुने नहीं, जो महात्मा किताबों में लिखकर रख गए उसे सुना-पढ़ा नहीं। उन्होंने तो कौन सी विद्या पढ़ी? जिसके लिए कहा गया- पोथी पढ़ पढ़ जग मुआ पंडित भया न कोय। ढाई आखर प्रेम के पढ़े सो पंडित होय।। पोथी पढ़ लिया, हिंदी अंग्रेजी संस्कृत की किताब पढ़ लिया, हिंदी अंग्रेजी उर्दू फारसी फ्रेंच जर्मन चाइनीस सीख लिया, उससे क्या मिलेगा? खाने को रोटी और कमाने की रोजी मिल जाती है लेकिन कहो कि उनकी मुक्ति मौक्ष हो जाए, उनको इस भवसागर में न आना पड़े तो केवल भाषाओं व किताबों की जानकारी से नहीं हो सकता।

अगर किताबी ज्ञान से ही सब होता तो बड़े-बड़े पुस्तकालय लाइब्रेरियां खोल दी जाती

और उसी को पढ़कर के लोग महात्मा बन गए होते लेकिन भारत ही नहीं पूरे विश्व का इतिहास बता रहा है कि किताब पढ़ करके कोई महात्मा नहीं हुआ। महात्मा कौन होता है? जिसकी आत्मा महान हो जाती है। वह महान आत्मा ऊपर की तरफ जाकर शक्ति ले आती है, उस (परा) विद्या को ले आती है जो दुनिया की इस विद्या से नहीं सीखा जा सकता है, वो आध्यात्मिक विद्या कहलाती है। वह महान होते हैं। आजकल लोग ज्यादा धन प्रतिष्ठा कमाने वाले, बड़े पद वाले को अच्छा कहते हैं लेकिन हम तो उनको अच्छा कहते हैं जो मेहनत ईमानदारी का कमाते खाते हैं, अपने शरीर के लिए ही नहीं बल्कि अपनी आत्मा को भी खुराक देते हैं। रोटी-दाल तो पेट में जाएगा, शरीर स्वस्थ होगा, भूख मिटेगी लेकिन जीवात्मा की भूख कैसे मिटती है? जीवात्मा का भोजन अलग है। जो गुरु महाराज ने सुमिरन ध्यान भजन बताया, हम-आप (नामदानी) करते हो। आत्मा का भजन, जो आत्मा का भोजन करते हैं, मेहनत ईमानदारी से जीवन यापन करते हैं, धर्म का पालन करते हैं हम तो उनको अच्छा कहते हैं।

सिनेमा देखने वाले, होटल में खाने वाले, ऐशोआराम करने वाले कभी भजन नहीं कर सकते

गुरु महाराज बराबर बोलते रहे की होटल में खाने वाले, सिनेमा देखने वाले, ऐशोआराम करने वाले कभी भजन नहीं कर सकते। यही बातें गुरु महाराज की जब दोहराई गई तो बहुत से लोग सिनेमा जाना बंद कर दिए। बोले, असली चीज पाने के लिए थोड़ा बहुत त्याग करना पड़ेगा। बड़ी चीज पाने के लिए छोटी कुर्बानी करनी पड़ेगी। हम इनको छोड़ देंगे लेकिन वह आदत बनी हुई थी। जब टीवी में गाना आया, सीन आया तब उसको देखने बैठ गए। वही बात जब सतसंगों में फिर दोहराई गई की टीवी देखने से भजन नहीं बन सकता, टीबी जैसी बीमारी हो जाती है जो कभी छुटती नहीं। आंखों में उसी का अक्स आ जाता है, कभी खत्म नहीं होता है जैसे सांप के आंखों में अक्स आ जाता है। जोड़े वाले साँपों में एक को मारते हुए दुसरे के आँखों में मारने वाले का अक्स पिक्चर आ जाती है। उसी से इनसे भी एक तरह से शरीर ही जहरीला हो जाता है। अब टीवी लोगों ने बंद किया तो जेब-जेब में टीवी आ गई जेब-जेब में मोबाइल आ गया।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड के दुबौली गाँव में भूतपूर्व सैनिक संघ वेटरन्स इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष भूलन दुबे के द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। वहीं उन्होंने बताया कि यह देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण अभियान है, प्रधानमंत्री के इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रत्येक भारतीय का यह कर्तव्य है की अपने मां के नाम से एक पेड़ अवश्य लगाये और अपने माँ के साथ पर्यावरण की सुरक्षा का संकल्प लें, ताकि पर्यावरण स्वच्छ और हरा भरा रहे।

व्यंग्य –विनोद

नेता, बीमारी और विदेश

श्याम कुमार राई 'सलुवावाला'

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई 2024: हमारे देश के नेताओं की शरीर संरचना इस तरह की होती है जो इनबिल्ट होते हैं,जो हम सामान्य लोगों से हटकर होता है। जिसके जरा सा बिगड़ने पर या हल्का -फुल्का बीमार होने पर देश का कोई भी डाक्टर उनका इलाज कर ही नहीं सकता। क्योंकि मेडिकल कोर्स में ऐसा पाठ अथवा सबक पढाया ही नहीं जाता है कि हमारे बीमार नेताओं के बीमारी को देश के नामी गिरामी चिकित्सक द्वारा ठीक करना तो दूर की बात बल्कि बीमार नेता की जांच भी कर नहीं सकते क्योंकि ऐसा करना उनके बस की बात ही नहीं। क्योंकि देशी डाक्टरों द्वारा बीमार नेता का शरीर छूते ही उल्टे डाक्टर जमीन पर गिरकर छटपटाने लगता है इलाज करना तो दूर की बात है। मालूम हो कि बरसों की शोध के बाद यह तथ्य सामने आया है।

और तभी से देश के नेतागण सर्दी, खांसी-जुकाम होने पर भी तुरंत विशेष विमान द्वारा विदेशों के अस्पतालों में चिकित्सा के लिए उड़ निकलते हैं। शोध में यह भी पाया गया है कि मरीज नेता के साथ उनके दो-चार रिश्तेदार और संबंधी साथ हों तो उनकी चिकित्सा में शीघ्र लाभ के चांस दुगुना होने की संभावना अधिक पाई गई है। तो साथियो यूं ही हमारा कोई नेता विदेश जाकर चिकित्सा लाभ उठाने का जोखिम नहीं उठाता। क्योंकि हमारे नेताओं को देश और देशवासियों की बड़ी फिक्र रहती है। इसलिए आपने गौर किया होगा कि जो केंडीडेट चुनाव के समय हल्के फुल्के मरियल से शरीर के मालिक होते हैं वही जनप्रतिनिधि चुनाव जीतने के बाद कितनी जल्दी हष्ट-पुष्ट, मोटा-ताजा और तन्दुरुस्त हो जाते हैं क्योकि ऐसा हो जाना उनकी देशसेवा की भावना बलवती होने की वजह से होता है। वे अपने को खान-पान रहन-सहन में इतना झोंक देते हैं कि कई प्रतिनिधि गणों का अपने शरीर को ही ढोने में अपार कष्ट उठाना पड़ता है तभी तो जो महाशय को चुनाव के पहले तक दो पहिये की साथकर अथवा गाड़ी ही मयस्सर हुआ करती थी पर उनके चूनाल में जीत के साथ ही चार पहिये की आलीशान गाड़ी, हेलीकॉप्टर, हवाई जहाज के बगैर उनका शरीर कदम दो कदम आगे सरकने को भी तेयार ही नहीं होता। इसलिए इन्हें गाड़यों और हवाई उडानों का सहारा लेने को मजबूर होना पड़ता है। बताइए भला इसमे इनकी क्या गल्ती है!?

गौरतलब है कि ये सारी जानकारियां गहन शोध के बाद ही सामने आ सकी हैं। इन सबके अलावा नेता और उनकी बीमारी से संबंधित जो भी बातें नई बात वाली शोध के आते ही आपसे साझा करके आप सबको अपडेट करता हू अब अपनी कलम को यहीं विराम देता हूं ...।

दुनिया का "आठवाँ" आश्चर्य !!!

लड़की रस्सी पर चल रही है,
बेख़ौफ़ चल रही है,
डगमगाते नहीं हैं जरा भी उसके पाँव,

उसके चेहरे के हाव-भाव,
एकदम सामान्य हैं, कोई डर नहीं,
सिर पर भी रखा हुआ है उसने एक मटका,
और गज़ब का संतुलन बनाए हुए है,

उसकी अद्‌भूत प्रतिभा को देखने के लिए,
लोग नहीं हैं खड़े कतारों में टिकट खिड़की के पास,
कोई टिकट खिड़की नहीं है उसके लिए,
उसके लिए है एल्यूमीनियम का एक कटोरा,
जिसे उठाए उसकी ही हम-उम्र का भाई,
इकट्ठी हुई भीड़ से इकट्ठा कर रहा है दाना-पानी,
और वहीं डीजे में बज रहा है मोहम्मद रफी साहब का दर्द भरा गाना...
'ये दुनिया, ये महफ़िल, मेरे काम की नहीं...!'

अभी-अभी कोलकाता के इको पार्क से,
लौट रहा हूँ मैं देख कर दुनिया के सभी सात अजूबों
की विशाल अद्‌भूत विलक्षण प्रतिमाएँ,
ताज़महल, चीन की दीवार, क्राइस्ट द रिडीमर आदि,
सभी की ख़ूबसूरती कैद कर के लौट रहा हूँ मैं कैमरे में,

और कार की खिड़की से अब मैं
यह नहीं तय कर पा रहा हूँ,
की अब जो मैं देख रहा हूँ, क्या वो
दुनिया का आठवाँ आश्चर्य है ?
एक छोटी सी लगभग पंद्रह वर्ष की लड़की का,
बिना डरे यूँ इतनी आसानी से रस्सी पर चलना,
नीचे कोई चादर या गद्दा नहीं की
गिरने पर चोट न लगे ।

"क्या आप देंगे इसे दुनिया का
आठवें आश्चर्य का नाम ?"
"नहीं न ?"
मुझे पता था, मैं भी नहीं दूँगा,

क्योंकि दुनिया का आठवां आश्चर्य
यह नहीं की लड़की रस्सी पर चल रही है,
बल्कि दुनिया का आठवाँ आश्चर्य
यह है की,
"वह एल्यूमीनियम वाला कटोरा
एकदम से खाली है,"

दुनिया से दिन-प्रतिदिन खत्म होती
मानवीय संवेदनाओं को मैं आज
आठवाँ आश्चर्य का नाम दे रहा हूँ ।

अनंत ज्ञान
हजारीबाग (झारखंड)
कोलफील्ड मिरर

द्वारका दिल्ली में सजी कवियों की महफ़िल

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (दिल्ली): द्वारका डी 21 स्टूडियो दिल्ली में नीरज साहित्य समूह की ओर से भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। नीरज साहित्य समूह द्वारा साझा संकलन "कभी तेरी आरज़ू में, के विमोचन के उपलक्ष्य में कवि सम्मेलन का आयोजन किया। साझा संकलन का विमोचन मुख्य अतिथि अन्तर्राष्ट्रीय ओज के कवि अर्जुन सिसोदिया ने किया।

कवि सम्मेलन में विभिन्न राज्यों से आए कवियों ने समाँ बांधा। अपनी प्रस्तुतियों द्वारा लोगों का मन मोह लिया। कवियों का काव्य पाठ इतना मोहक था कि श्रोता स्थान पर बने रहे। कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि अन्तर्राष्ट्रीय कवि अर्जुन सिसोदिया रहे। दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड से कवि सम्मेलन में हिस्सा लिया। कवि सम्मेलन का लाइव प्रसारण किया गया।

कवि सम्मेलन को मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुरुआत की। छोटे छोटे बाल कलाकारों ने सरस्वती वन्दना गीत प्रस्तुत करके माँ शारदे का स्मरण किया। उपस्थित कवियों में अर्जुन सिसोदिया ने वीर रस पूर्ण रचना चन्द्र शेखर के बारे में पढ़कर श्रोताओं मे जोश भर दिया, प्रसिद्ध ग़ज़लकार श्री संजय जैन ने शहीद की माँ के उदगार 'बेटे ने पूछा माई' कहकर श्रोताओं की आँखें नम कर दी, नीरज साहित्य समूह के अध्यक्ष एवं कवि अशोक आबशार ने'तुम्हारी भी कोई कहानी तो होगी'गजल द्वारा मन मोहा, कवि डॉ नाथू लाल लोटवाड़ा ने 'ग़ज़ल 'वो बिछड़ा पर आँख मिलाकर नहीं गया' द्वारा मन मोहा, कवयित्री सीमा रंगा जी ने बचाया है शहीदों ने तभी तो आज जिंदा है प्रस्तुत कर सबको जोड़ा, रामेश्वर देव ने देशभक्ति के मुक्तको द्वारा मन मोहा, उर्वी उदल ने 'मुझे पागल ने सिर पर चढ़ा रखा है 'द्वारा समा बांधा, सरिता जैन ने श्रगांर की रचनाओं द्वारा सबको गुदगुदाया, सीमा वत्स ने 'नयन के नीर से लड़ना 'मुक्तक गा कर श्रोताओं को मोहा, गीता राघव द्वारा कृष्ण की आरज़ू कविता पढ़कर मन मोहा, नीरज साहित्य समूह की सचिव रचना भारद्वाज ने 'कभी तेरी आरज़ू में दिया जलाते रहे कविता पढ़कर सबका मन मोहा। नीरज साहित्य समूह द्वारा सभी को पटका पहनाकर एवं मोमंटो दे कर सम्मानित किया गया। कवि सम्मेलन का संचालन वर्षा सिंह द्वारा किया गया।

आसनसोल रेल मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (आसनसोल): आसनसोल रेल मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ की तरफ से आसनसोल रेलवे स्टेशन के दो नंबर प्लेटफार्म पर मुख्या द्वार के समीप रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में डीआरएम चेतनानंद सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे, उन्होंने रक्तदाताओं को ब्लड डोनेशन का सर्टिफिकेट प्रदान किया.

मौके पर डीआरएएम श्री सिंह ने कहा कि जिस तरह से आसनसोल रेलवे डिवीजन के टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा आज रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है, वह सराहनीय है. उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है अपने कर्मचारियों पर जो इस तरह से अपने दायित्वों का पालन करते हुए सामाजिक कार्य से भी खुद को जोड़ते हैं. उन्होंने कहा कि टिकट चेकिंग स्टाफ काफी मेहनत से अपनी जिम्मेदारियां को पूरा करते हैं, इसलिए रेलवे की तरफ से भी उनको विशेष सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे कि वह और अच्छी तरह से अपनी जिम्मेदारियां का पालन कर सके उन्होंने सभी से रक्तदान करने का आग्रह किया उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति लगभग हर 6 महीने के अंतराल पर रक्तदान कर सकता है.

वही आसनसोल रेलवे स्टेशन के सीआईटी जनरल मो. जाहिद अख्तर ने कहा कि हर साल की तरह इस साल भी आसनसोल रेलवे डिवीजन के सीनियर डीसीएम के निर्देश पर इस रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि इस रक्तदान शिविर में 35 यूनिट रक्त संग्रह कियागया। उन्होंने कहा कि आसनसोल रेलवे डिवीजन का टिकट चेकिंग स्टाफ हमेशा अपने दायित्वों का पूरा करते हुए सामाजिक कार्य भी करते रहना चाहता है और आज का यह रक्तदान शिविर उसी कड़ी का एक हिस्सा है। चार साल पहले तत्कालीन सीआईटी मलय मजूमदार ने इसकी शुरूआत की थी।

मौके पर सुभाशीश मंडल, नय्यर इमाम, शैलेंद्र कुमार, पीसी मुर्मू, मोहम्मद कैसर सहित आसनसोल रेलवे डिवीजन के तमाम टिकट चेकिंग स्टाफ के सदस्यों उपस्थित थे.

घमंड किस बात का

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई 2024: एक आदमी अकड़ कर अपने धन-वैभव की औक़ात में चूर-चूर हो कर घूम रहा था क्योंकि अपनी दौलत का मद उसके भरपूर छाया हुआ था। यह आगम वाणी हैं कि सफलता पर हम न फुलें और न अहंकार के भाव लाएं। असफलता पर हीन भाव से ग्रसित न बन जाएं। समत्त्व भाव विकसायें। सफलता तब ही सफल कहलाती है जब वह विनम्रता बढ़ाती है। कुछ हासिल किया और अहंकार न आये, यह बहुत बड़ा आश्चर्य कहलाता है। अहंकार ढंका हुआ कुंआ है जो पता ही नहीं चलता है कब लुढ़क जाएं। हमारे भाग्य के साथ से तो शायद एकाध बार और सफलता पा जाए पर निरंतरता नहीं रह पाती है और अगली बार वह घमंड में फिसलता चला जाता हैं। विनम्र सरल व्यक्ति ही दिन प्रति दिन सफलता पा सकता हैं वह आगे बढ़ता जा सकता है। जीवन में हर बात भावनाओं से जुड़ी हैं जहाँ आसक्ति का भाव वहाँ भारभूत होना स्वभाविक हैं और जैसे ही अनासक्त हुए वही हम हल्के। सजीव हो या निर्जीव हो या जिस से भी हम जुड़े हमें संसार की नश्वरता को जानना है समझना है की आना और जाना नियति का योग हैं हम केवल निमित्त मात्र है। मोह खत्म हुआ कि खोने का ड़र भी निकल जाता हैं चाहे दौलत हो वस्तु हो रिश्तें हो या फ़िर ज़िंदगी। सांसें तो आयुष्य कर्मों निर्भर हैं तो फिर यह अकड़, यह अहं किस बात पर।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

बेताल विक्रम

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई 2024: "भैया। इन दिनों पुराने इतिहास और उसके किस्से कहानियों पर हम ज्यादा संवेदनशील हो सक्रिय होने का अभिनय कर रहे हैं। घर को जलता, लोगों को रोता छोड़कर पड़ोस में बतियाने जाने में और गड़े मुर्दे वही शवों को कांधे पे डाले घूमने और उसका डंका बजाने में जो खुन्नस भरा आनंद आता है। उसके प्रचार प्रसार से लोगों का ध्यान खास मुद्दों और मसलों से हटकर शवों पर आ जाता है तो कुछ दिन और सांस लेने की फुर्सत मिल जाती है।"

"तुम क्या कह रहे हो, किस विषय पर बात कर रहे हो पता नहीं चल पा रहा है छोटू। इतिहास, शव, कांधे कुछ समझा नहीं मैं। कोई विक्रम बेताल की कहानी सुना रहे हो?"

"अखबार पढ़ना, टी वी पर समाचार छोड़कर क्या कविता रचने में ही रमे हो भैया। दुनियां जहां की भी खबर रखा करो। पुराने इतिहास के शव को कांधे पे डाले जो लोग मस्ती में घूम रहे हैं, अपनी जीत की खुशी मना रहे हैं, राष्ट्रपिता को भूलकर उसके हत्यारे को याद रख रहे हैं, ऐसे में आपको यह इत्मीनान की बातें करना शोभा नहीं देता भैय्या।"

"मुझे क्या शोभा देता है, यह तुम तय मत करो। मुझे सोचने दो। लाशों पर राजनीति करने में माहिर हो गए हैं आजकल के नेता। जिस डोम के काम को राजा हरिश्चंद्र ने एक ऊंचा स्तर दिया था, उसे ये लोग निम्न स्तर और नकारात्मक बना रहे हैं। असली मुद्दों पर से, जिस पर जीविका बंधी है, जीवन जुड़ा है, अधिकांश जनसंख्या के युवा जुड़े हैं, लोग बढ़ती कीमतों से परेशान हैं, लोगों का ध्यान हटाने और अपना उल्लू सीधा करने का जो प्रयास किया जा रहा है, वह न केवल सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की राजनीति है बल्कि एक ओछी संस्कृति की द्योतक भी है।"

"लेकिन भैया। ताजा हालातों से भागने के लिए ये विक्रम की तरह श्मशान के पेड़ पर टंगे लाशों को लाना, यही जिस किसी ने इतिहास में गलतियां की है उसको इतना अधिक लोकप्रिय बनाना, क्या इतना जरूरी है जितना राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम?"

"वर्तमान की हमारी अपनी समस्याओं से भागने के लिए, सारे भले लोगों का ध्यान बंटाने के लिए और तो और अपनी कुर्सी बचाने के लिए, वैरियों पर खुन्नस निकालने के लिए यह बेताल पचीसी, विक्रम बेताल और गड़े मुर्दे उखाड़ने का क्रम कई दिनों से जारी था, जारी है और जारी रहेगा, जब तक लोगों में ज्ञानोदय नहीं होता।"

"लेकिन ऐसा कब होगा भैया?"

"छोटू बनाम धीरज भाई। सब्र रखो। अच्छे अच्छे सिकंदर चले गए। है न? और ऐसा भी नहीं है की जो मुर्दे उखाड़ रहे हैं, वे साफ सुथरे और गंगा धुले हों, कभी कोई गलती न किए हों, ऐसा भी तो नहीं। यह तो वही बात हुई चलनी कहे सूपे से कि तुझमें हजार छेद।"

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

जम्मू कश्मीर में आतंकी इस बार छोटे-छोटे ग्रुप में मौजूद है जिसमें अधिकांश पाकिस्तानी गरीब बैरोजगार नवयुवक

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई 2024: आजकल जिस तरह से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाएं बढ़ रही है उसे देखकर तो यही लगता है कि इस बार जो आतंकी कश्मीर घाटी में वारदात कर रहे हैं वह स्थानीय कश्मीरी ना होकर पाकिस्तान गरीब बैरोजगार नवयुवक हि अधिक है, कारण आज की तारीख में कोई भी कश्मीरी नवयुवक अब ना तो आतंकी वारदात में सक्रिय होता है ना ही पत्थर फेंकने की घटनाओं में इनका हाथ रहता है। अतः अब हमारे देश की सुरक्षा एजेंसियों को आज यही संदेह है कि आतंकी स्थानीय ना होकर बाहरी ही है तथा यह छोटे-छोटे ग्रुपों में छिपे हुए हैं तथा आशंका भी यही व्यक्त की जा रही है कि इनकी घुसपैठ सीमा पार से हो रही है तथा यह आतंकी आज न केवल कश्मीर बल्कि जम्मू में भी वारदात करने से नहीं चुक रहे हैं। सुरक्षा सूत्रों का कहना है कि नौजवान आतंकियों की नई खेप पिछले साल से ही कश्मीर घाटी में सक्रिय है इनमें भी अधिकांश पाकिस्तान की बिगड़ी हालत होने के कारण वहां बढ़ रही बेरोजगारी, गरीबी के कारण परेशान अधिकांश वे नवयुवक ही है जिनका इस्तेमाल पाकिस्तानी आतंकी संगठन भारत के खिलाफ कर रहे हैं ये ज्यादातर नवयुवक गरीबी के कारण हि आतंकी बन रहे हैं तथा इनके मुख्य आका आज भी लश्कर ऐ तौयबा एवं जैस ऐ मोहम्मद हि है जो भारत में इन आतंकियों को गाइड कर रहे हैं एवं इस बार इन आतंकियों का मुख्य ठिकाना कश्मीर घाटी ना होकर जम्मू का कठुआ जिला एवं यहां पर स्थित घने जंगल है जहां पर ये आतंकी वारदात करके हर बार जाकर छिप जाते हैं। अतः हमारी सेना को अपनी तलाशी का दायरा कठुआ, उधमपुर और डोडा जिलों में बढ़ा देना चाहिए। विशेष करके पहाड़ी इलाके एवं घने जंगलों में विशेष निगरानी करने की सख्त जरूरत है। वैसे सेना चाहे तो यहीं पर अपनी सुरक्षा चौकियां भी बना सकती है ताकि इन आतंकियों को यही घने जंगलों एवं पहाड़ियों पर घेरा जा सके तथा यही पर इनकी कब्रे बनाई जा सके।

मनमोहन राजावतराज
शाजापुर

मैं लाल ही रहना चाहता हूं

बड़े बनने में बड़ी कठिनाई, बड़ों ने बड़ों से दूरी बनाई
लगे बड़े बनने की होड़, बड़ों की बड़ों से छिड़े लड़ाई

बिना बड़प्पन आदर कैसे, सागर में बूंद समाई जैसे
बड़ा बड़ाई को तरसे एसे, जलबिन मछली तड़फे जैसे

आशीष पाने की अधूरी लालसा, मुस्कुराएं बताओ किस तरह
मोहपाश बंधन इस तरह, चंदन से भुजंग लिपटे जिस तरह

घर में बहू का होगा बोलबाला, जवान पे लग जाएगा ताला
भोर में ताज़ा दूध पीतेथे अब नो बजे मिलेगा चायका प्याला

यदि घर में अपनी चलाओगे, सीधे वृद्धाश्रम में खड़ा पाओगे

कभी कभी मित्रों से दर्द साझा करने से भी, बंचित हो जाओगे

मैं बच्चू के नाम के आगे लाल, आशीष पा हो जाऊंगा निहाल
हर वय का साथ मिलेगा, गोद मिले मांकी रखने अपना भाल

मां की अंक से उत्सर्जित जैव शक्ति से निरोग होजाएंगे
तब मिस्टर यंग ओल्ड मैन के नाम से पहचाने जाएंगे

घर में सबका प्यार मिलेगा, हंसने का सौभाग्य मिलेगा
अवसादों से मुक्ति मिलेगी, जीवन को नवरूप मिलेगा

भोग से योग की यात्रा के लिए ,मैं लाल ही रहना चाहता हूं
पंच विकारों से मुक्ति पा, आत्मिक रहस्य जानना चाहता हूं

बच्चूलाल परमानंद दीक्षित
दबोहा भिण्ड/ग्वालियर
कोलफील्ड मिरर

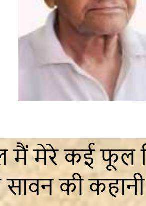

एक प्रेम गीत सुनाओ मुझे

एक प्रेम गीत सुनाओ मुझे
जिसमें प्रिय एक कहानी हो
ना राजा हो ना रानी हो
प्रियसी प्रेमी की जिंदगानी हो ।।

एक प्रेम गीत सुनाओ मुझे
जिसमें मिलने की चाहा रही
उसकी कोई तो निशानी हो
ऐसी मनोरम सी कहानी हो ।।

एक प्रेम गीत सुनाओ मुझे ....
जिसमें जब मीत मिले तब
गीत सजे होठों पर प्रीत के,
ऐसी ही कोई दीवानगी हो।।

एक प्रेम का गीत सुनाओ मुझे.....
जिसको सुनकर प्रफुल्लित हो
इस दिल में मेरे कई फूल खिले
ऐसे पहले सावन की कहानी हो ।।

एक प्रेम का गीत सुनाओ मुझे
जिसमें ना राजा हो ना रानी हो
ना मधुबाला की मधुबन सी छवि,
हां तेरी मेरी सी एक कहानी हो ।।

आशी प्रतिभा दुबे
ग्वालियर मध्य प्रदेश
कोलफील्ड मिरर

पूर्ण बजट 23 जुलाई 2024 में मध्यमवर्ग व करदाताओं को नई व पुरानी दोनों टैक्स स्लैब की व्यवस्थाओं को बढ़ाकर सौगात देने की संभावना

पूर्ण बजट@23 जुलाई 2024- मध्यमं वर्ग, पूंजीगत खर्च व विकसित भारत विज़न 2047 की गूंज सुनाई देने की संभावना

मध्यम वर्ग ने 18वीं लोकसभा चुनाव मतदान में गूंज सुनाई-बात सबसे अधिक टैक्स देने वाले मध्यम वर्ग को सौगात देने महामंथन पर आई-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर हम देख रहेहैं कि सरकारें अपनी निरंतरता खो रही है, जिसका सटीक उदाहरण हाल ही में ब्रिटेन, फ्रांस, ईरान, नेपाल इत्यादि देशों में सरकारें बदली है, जिसकी चर्चा माननीय पीएम ने भी ऑस्ट्रिया में दिनांक 10 जुलाई 2024 को मूल भारतीयों को संबोधन के समय की थी और हैट्रिक 3.0 का भी उल्लेख किया था और वहां से देर रात्रि भारत लौटकर 11 जुलाई 2024 को ही नीति आयोग व प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ बैठक कर महामंथन कर उनके सुझावों को गंभीरता से सुना था।अब अमेरिका में भी जहां 5 नवंबर 2024 को चुनाव होने हैं कुछ सुब्सुबाहट शुरू हो चुकी है।हालांकि भारत में हैट्रिक 3.0 रहा परंतु यह पूरी तरह क्लियर नहीं रहा जैसा कि पिछले दो टर्म में हुआ था। यानें सत्ताधारी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं बल्कि बैसाखियों का सहारा मिल चुका है, जिसका संज्ञान पार्टी ने जरूर लिया होगा, और हर उस बिंदु पर आपसी महामंथन जरूर किया होगा जिसका समाधान अब पूर्ण बजट एटद रेटऑफ 23 जुलाई 2024 के माध्यम से पाटनें की कोशिश जरूर होगी मेरा मानना है कि 18वीं लोकसभा में मध्यम वर्ग ने चुनाव में अपनी गूंज जरूर सुनाई होगी, क्योंकि वर्ष 2014 से लेकर अभी तक आयकर स्लैब में कोई परिवर्तन नहीं दिया गया है और मध्यमवर्ग वालों को कोई भी स्कीम नहीं दी गई थी हालांकि यही वर्ग सबसे अधिक कर देने में आगे रहता है। सीधी भाषा में कहें तो राष्ट्र के विकास में इस वर्ग का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इन्हीं के टैक्स के बलपर रेवड़ियों का वितरण होता है, और इन्हें ही अगर नजर अंदाज किया जाएगा तो अपनें वोट अस्त्र के माध्यम से अपनी गूंज जरूर सुनाई होगी, जिसका संज्ञान इस पूर्ण बजट 2024 के माध्यम जरूर लिया लिए जाने की संभावना है। मेरा पूर्ण विश्वास है कि इस बजट के माध्यम से मध्यम वर्ग के लिए सौगातो की बारिश हो सकती है तथा इन्हीं सौगातो के कारण विजन 2047 को तेजी से आगे बढ़ाने की ताकत भी मिलेगी। चूंकि मध्यमवर्ग ने 18 वीं लोकसभा चुनाव मतदान में गूंज सुनाई, बात सबसे अधिक टैक्स देने वाले मध्यम वर्ग को सौगात देने महामंथन पर आई, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, पूर्ण बजट एटद रेटऑफ 23 जुलाई 2024 मध्यम वर्ग,पूंजीगत खर्च व विकसित भारत विज़न 2047 की गूंज सुनाई देने की पूर्ण संभावना है।

साथियों बात अगर हम पूर्ण बजट 23 जुलाई 2024 के महत्व और 11 जुलाई 2024 को पीएम के नीति आयोग व अर्थशास्त्रियों से महामंथन की करें तो,हैट्रिक 3.0 का पहला बजट-देश भर की निगाहें इस पर यह सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट है। इस प्रमुख आर्थिक दस्तावेज में 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की रूपरेखा पेश किए जाने की उम्मीद है। राष्ट्रपति ने पिछले महीने संसद की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए संकेत दिया था कि सरकार सुधारों की गति बढ़ाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाएगी। सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट को लेकर ये बैठक बहुत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टैनली ने भी बीतेकल अपनी रिपोर्ट में कहा है किकेन्द्रीय वित्तमंत्री इस बजट में विकसित भारत के लिए रोडमैप पेश कर सकती है।बजट आने में 08 दिन बचे हैं और इससे पहले पीएम इसको लेकर महामंथन कर रहे हैं। पीएम की नीति आयोग और अर्थशास्त्रियों के साथ दिल्ली के नीति आयोग में बजट को लेकर बैठक हुईहै।आनेवाली 23 जुलाई को आम बजट 2024 पेश किया जाएगा और वित्त मंत्री वित्त वर्ष 2024--25 के लिए खर्चों और कमाई का लेखा जोखा संसद के पटल पर रखेंगी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई, सोमवार से शुरू हो जाएगा,यह बैठक वित्तमंत्री द्वारा 7 जुलाई को विभिन्न हितधारकों के साथ 11 बजट-पूर्व चर्चा समाप्त करने के कुछ दिनों बाद हुई। कई दिनों तक चली इस चर्चा में 120 आमंत्रितों, 10 हितधारक समूहों ने बजट से अपनी अपेक्षाओं के संबंध में अपनी सिफारिशें और विचार प्रस्तुत किए। करदाताओं को संभावित राहत के लिए विशेषज्ञों ने भी केंद्र को सुझाव दिया है कि खपत को बढ़ावा देने के लिए करदाताओं पर कर का बोझ कम किया

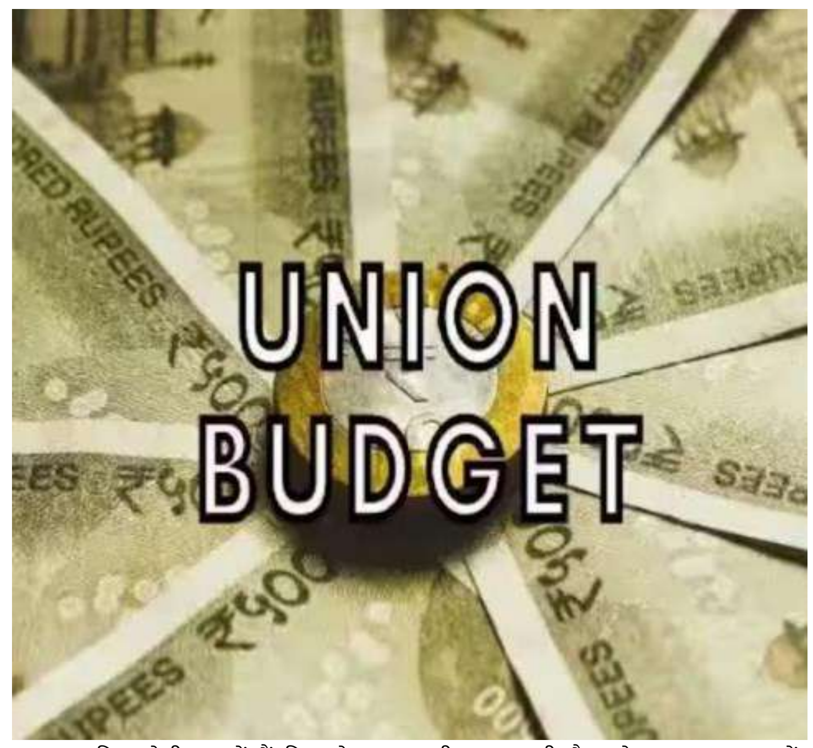

जाना चाहिए। ऐसीअटकलें हैं कि बड़े कर सुधार पेश किए जा सकते हैं, जिसमें मानक कटौती के लिए बढ़ी हुई सीमा, पूंजीगत लाभ करों का संभावित पुनर्गठन आदि शामिल हैं।बीमा कम्पनियों ने अपने उत्पादों को अधिक किफायती बनाने तथा फलस्वरूप उनकी पहुंच बढ़ाने के लिए कर राहत की मांग की है। एमएसएमई क्षेत्र ने 45-दिवसीय भुगतान नियम में ढील देने जैसे सुझाव दिए हैं, जिसके तहत वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के 45 दिनों के भीतरएमएसएमई को भुगतान करना अनिवार्य है, ताकि बड़ी कंपनियों को अन्य स्रोतों की ओर देखने से रोका जासके। इस बीच, केंद्रीय सरकारी कर्मचारी संघ पुरानी पेंशन योजना की बहाली, 8वें वेतन आयोग का तत्काल गठन, अनुकंपा नियुक्तियों पर 5 प्रतिशत की सीमा हटाने सहित अन्य मांगें कर रहा हैअर्थशास्त्रियों व पीएम के बीच चर्चा में कर दरों पर भी चर्चा हुई। बैठक में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) के तहत कई स्लैब के मुद्दे पर चर्चा हुई। यह बात सामने आई कि दरों की बहुलता को कम करने की आवश्यकता है यह मीडिया में आया है। मीडिया में बताया गया कि विनिर्माण क्षेत्र पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस बात पर विचार किया गया कि भारत को और भी बहुत सी चीजों का विनिर्माण करना चाहिए और विनिर्माण न केवल आर्थिक विकास की उच्च दर हासिल करने में बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में शामिल होने के रणनीतिक लक्ष्य को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बताया गया कि कपड़ा क्षेत्र, जिसमें भारत कभी विश्व में अग्रणी था, पर भी बैठक में चिंता व्यक्त की गई।

साथियों बात अगर हम बजट 23 जुलाई 2024 में मध्यम वर्गीय हितधारकों के लिए सौगातो का पिटारा खुलने की करें तो,मेरा मानना है कि बजट 2024-25 में टैक्स छूट को लेकर बड़ा ऐलान कर सकती हैं।इस बार के बजट में टैक्स छूट मिल सकती है। इस कदम से 5 लाख से 15 लाख रुपये तक की सालाना इनकम वाले व्यक्तियों को लाभ मिलेगा। अभी ये लोग 5 से 20 फीसदी की टैक्स रेट का सामना कर रहे हैं।केंद्र सरकार बजट में व्यक्तिगत आयकर में छूट की सीमा बढ़ाने की घोषणा भी कर सकती है। ऐसा करने से अर्थव्यवस्था में खपत बढ़सकती है और मध्यम वर्गकि लोगों की बचत बढ़ सकती है आयकर के लिए सालाना आय सीमा को तीन लाख रुपये से बढ़ाकर चार से पांच लाख रुपये किया जा सकता हैपीएम किसान योजना के तहत किसानों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि बजट में बढ़ाईजा सकतीहै किसानों को फिलहाल हर साल 6000 रुपये की राशि दी जाती है।यह राशि बढ़ाकर 8000 रुपये वार्षिक की जा सकती है।इसके अलावा बजट में उद्योग जगत को भी कर में राहत दिए जाने की उम्मीद है। छोटे और मध्यम उद्योगों को सौगात दिए जाने की उम्मीद की जा रही है। इस बजट में युवाओं के लिए सरकारी विभागों के साथ प्राइवेट सेक्टरों में रोजगार के अवसर पैदा करने की व्यवस्था हो सकती है।सरकार का ध्यान ज्यादा से ज्यादा नौकरियों का सृजन करने पर है।इनकम टैक्स में 80 सी के तहत टैक्स में कटौती की सीमा बढ़ाने की मांग की जा रही है आयकर की धारा 80 सी के तहत छूट की सीमा 1.5 लाख रुपये है,इस बार बजट में इस छूट की सीमा बढ़ाए जाने की संभावना है। करदाताओं का कहना है कि 2014 के बाद से इस छूट में इजाफा नहीं किया गया है जबकि 10 सालों में महंगाई काफी बढ़ गई है।धारा 80सी में करदाताओं को निवेश और व्यय पर कर में छूट दी जाती है। इसमें जीवन बीमा प्रीमियम, पीपीएफ, म्युचुअल फंड, बच्चों की शिक्षा में ट्यूशन फीस, गृह ऋण के मूलधन के भुगतान आदि पर कर छूट मिलती है।रसोई गैस पर सब्सिडी बढ़ने की आशा वित्तमंत्री बजट में रसोई गैस की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना को लेकर बड़ी घोषणा कर सकती हैं। रसोई गैस पर सब्सिडी बढ़ाई जा सकती है।महिलाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार योजना के लाभार्थियों के लिए एलपीजी सब्सिडी के लिए नौ हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था कर सकती है।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सात मार्च को वित्तीय वर्ष 2024-25 में उज्ज्वला योजना में हर साल 14.2 किलोग्राम के 12 गैस रिफिल तक 300 रुपये की सब्सिडी स्वीकृत की थी। यह सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा होती है।आयकरदाता,यानें इनकम टैक्स पेयर्स को इस बजट में काफी राहत दिए जाने की उम्मीद की जा रही है विश्लेषकों का मानना है कि केंद्र सरकार आयकर में मानक कटौती या स्टैंडर्ड डिडक्शन को 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर सकती है। इससे आयकर दाताओं को बड़ी राहत मिल सकती है।

साथियों बात अगर हम बजट में विज़न 2047 की रणनीति के रोडमैप की करें तो, माना जा रहा है कि वित्तमंत्री कुछ बड़ीघोषणाएं कर सकती हैं कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर, विनिर्माण, वाहन उद्योग, ग्रीन एनर्जी,रियल एस्टेट जैसे सेक्टरों के लिए बजट बढ़ाया जा सकता है। सड़क, परिवहन और रेलवे को भी इस बजट में पिछले बजट के मुकाबले ज्यादा राशि दी जा सकती है इसके अलावा आयकर में छूट, रसोई गैस पर सब्सिडी में वृद्धि, रोजगारों में इजाफा और किसानों को राहत दी जा सकती है। पीएम के नए कार्यकाल के इस बजट से लोगों को बड़ी उम्मीदें हैं।खासकर मिडिल क्लास को टैक्स में छूट महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए योजनाएं, किसानों की आय बढ़ाने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर देने की घोषणा हो सकती है।विशेषज्ञों का भी मानना है कि 23 जुलाई को कुछ बड़े ऐलान कर सकती हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चर, ऑटो, ग्रीन एनर्जी, रियल एस्टेट और एग्रीकल्चर सेक्टर्स के लिए बड़ा बजट जारी किया जा सकता है। वहीं रेलवे और रोड एंड ट्रांसपोर्ट के लिए भी पिछले बजट की तुलना में ज्यादा अमाउंट दिया जा सकता है।(1) यह बजट मिडिल क्लास को टैक्स में छूट देने, महिला सशक्तिकरण, किसानों की आय बढ़ाने और रोजगार पर फोकस रह सकता है।स्टैंडर्ड डिडक्शन लिमिट (2)50, 000 रुपए से बढ़ाकर 1,00,000 रुपए की जा सकती है।(3) डिफेंस, रेलवे, इंफ्रास्ट्रक्चर और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में भी कई घोषणाएं हो सकती हैं।(4) स्टार्टअप पर लगने वाले एंजल टैक्स को कम करने पर विचार कर सकती है (5) इलेक्ट्रॉनिक्स सब-असेंबली और कंपोनेंट के लिए रू 40,000 करोड़ की पीएलआई स्कीम की संभावना है। (6) इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड 2.0 में संशोधन लाया जा सकता है।(7)आंध्रप्रदेश को 1 लाख करोड़ का स्पेशल पैकज मिल सकता है।इन टैक्सपेयर्स को भी मिल सकती है छूट पर्सनल टैक्सपेयर्स के लिए सबसे बड़ी चिंता उनसे मिलने वाले टैक्स कलेक्शन में बढ़ोतरी रही है, जो वास्तव में हाल के वर्षों में कॉर्पोरेट इनकम से मिले होने वाले टैक्स कलेक्शन से अधिक हो गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में नेट कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन 9.11 लाख करोड़ रुपये था, जबकि नेट पर्सनल टैक्स कलेक्शन 10.44 लाख करोड़ रुपये था. इसी तरह 2022-23 में, कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन 8,25,834 करोड़ रुपये और पर्सनल टैक्स कलेक्शन 8,33,307 करोड़ रुपये था। ऐसे में उम्मीद है कि इसे लेकर भी छूट का ऐलान भी किया जा सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पूर्ण बजट @ 23 जुलाई 2024- मध्यमं वर्ग,पूंजीगत खर्च व विकसितभारत विज़न 2047 की गूंज सुनाई देने की संभावना।पूर्ण बजट 23 जुलाई 2024 में मध्यमवर्ग व करदाताओं को नई व पुरानी दोनों टैक्स स्लैब की व्यवस्थाओंको बढ़ाकरसौगात देने की संभावना।मध्यम वर्ग ने 18वीं लोकसभा चुनाव मतदान में गूंज सुनाई-बात सबसे अधिक टैक्स देने वाले मध्यम वर्ग को सौगात देने महामंथन पर आई।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

संजय वर्मा दृष्टि उत्कृष्ट सहलेखक सम्मान से सम्मानित

कोलफील्ड मिरर 15 जुलाई 2024: वैदिक प्रकाशन के द्वारा संकलन- "मेरे हीरो मेरे पापा" में साहित्यिक योगदान हेतु मनावर जिला धार मप्र के संजय वर्मा "दृष्टि" द्वारा दिया जाने एवं साहित्य में अमिट भूमिका निभाने के लिए वैदिक प्रकाशन द्वारा मंच के सीईओ-प्रतिक्षा गाँगुली तथा-प्रकाशक-प्रशस्ति सचदेव द्वारा उत्कृष्ट सहलेखक सम्मान से अलंकृत कर उज्जवल भविष्य की कामना की।उल्लेखनीय है कि आप 49 वर्षो से नियमित आपके सृजन से ,आप लगातार लिखने और प्रकाशित होने वाले लेखकों में हैं|राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित श्री संजय वर्मा "दृष्टि" की लगभग पाँच हजार काव्य रचनाएँ विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई है| 150 साझा काव्य संकलन आपकी साहित्यिक कीर्ति में नित अभिवृद्धि करते हैं|लगभग चार दशकों से अधिक निरंतर सृजनरत श्री संजय वर्मा "दृष्टि" आकाशवाणी और दूरदर्शन पर भी कई बार अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं| बेटी बचाओ पर आधारित अपनी प्रसिद्ध कृति"दरवाजे पर

दस्तक"से दुनिया भर में लोकप्रिय हुए संजय वर्मा"दृष्टि" की रचनात्मक 'दृष्टि' बड़ी समृद्ध और व्यापक है|वर्तमान में नए संग्रह "बेटियों का आँगन", "बागेश्वर धाम" काव्य संग्रह प्रकाशित है।बेटी पर श्रंखलाबद्ध लिखी आपकी अनगिनत रचनाओं को पाठकों ने बड़े दिल से मान-सम्मान दिया है| सामाजिक,साहित्यिक संस्थाओं में अनवरत सहभागिता आपकी अभिरुचि और सृजनशीलता को नये आयाम प्रदान करती है|।विभिन्न पत्र -पत्रिकाओं में गद्य-पद्य,लेख प्रकाशित होते रहे हैं,जो पाठकों के साथ अन्य लेखकों को भी निरंतर सक्रिय रहने और सृजनरत रहने की प्रेरणा प्रदान करते हैं।अंतराष्ट्रीय हम हिंदुस्तानी साप्ताहिक पेपर अमेरिका.,कनाडा अफ्रीका से प्रकाशित होता है उसमे एक दिन में 14 लेख ,कविता प्रकाशित होने का रिकॉर्ड भी इनके नाम पर है ।मुख्य कृतियाँ--'दरवाजे पर दस्तक',खट्टे मीठे रिश्ते (कहानी संग्रह),तुम मुझसे झूठ तो नहीं बोल रहे (उपन्यास) कनाडा से प्रकाशित। समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं निरन्तर रचनाओं का प्रकाशन।मुख्य सम्मान/पुरस्कार--राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्थाओं से 539से भी अधिक सम्मान व पुरस्कार प्राप्त। स्टार बुक ऑफ़ इंटरनेशनल से सम्मान एवं वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड में तीन बार नाम दर्ज है।